आश्विन शुक्ल - 4 ▪ संवत 2082 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 63 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » गुरुवार » 25-09-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 प्रधानमंत्री के 'दोस्त' ट्रंप भारत को अनेक संकट में डाल रहे हैं : खरगे

6 शक्ति और साहस का पर्व है नवरात्रि

7 राजकुमारी कनकवती की भूमिका में नजर आएंगी रुक्मिणी वसंत

फर्स्ट टेक

कतर में भी यूपीआई के जरिये भुगतान सेवा की शुरुआत

नई दिल्ली/भाषा। अब भारतीय यात्री कतर में भी यूपीआई के जरिये भुगतान कर सकेंगे। एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड (एनआईपीएल) ने कतर नेशनल बैंक (क्यूएनबी) के साथ मिलकर इस सुविधा की शुरुआत की है। इस पहल के तहत क्यूएनबी से जुड़े दुकानदार और नेटस्टार्स के भुगतान समाधान का इस्तेमाल करने वाली पॉइंट-ऑफ-सेल मशीनों पर यूपीआई क्यूआर कोड से भुगतान किया जा सकेगा। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने बुधवार को बयान में कहा कि 'कतर ड्यूटी फ्री' की दुकानें इस सुविधा का इस्तेमाल करने वाले शुरुआती प्रतिष्ठान हैं। धीरे-धीरे यह सुविधा अन्य प्रमुख पर्यटक स्थलों और बाजारों में भी उपलब्ध होगी। कतर आने वाले अंतरराष्ट्रीय आगंतुकों में भारतीय यात्री दूसरे स्थान पर हैं। नई सुविधा से उन्हें नकदी रखने और मुद्रा बदलने की परेशानी से छुटकारा मिलेगा। एनआईपीएल के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) रितेश शुक्ला ने कहा, यह साझेदारी यूपीआई की वैश्विक स्वीकृति बढ़ाने और एक अंतरराष्ट्रीय भुगतान नेटवर्क बनाने की दिशा में अहम कदम है।

आरक्षण की 50 फीसदी सीमा तोड़ेंगे : राहुल गांधी

▪ 'अतिपिछड़ा न्याय संकल्प' जारी करते हुए कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, न्याय संकल्प में जो 10 घोषणाएं की गई हैं, उनकी गारंटी मेरी है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को कहा कि देश में आरक्षण की 50 फीसदी की सीमा को तोड़ा जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि संविधान पर लगातार हमला हो रहा है और पूरे देश में लोगों के हक छीने जा रहे हैं। यहां 'अतिपिछड़ा न्याय संकल्प' जारी करते हुए कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, न्याय संकल्प में जो 10 घोषणाएं की गई हैं, उनकी गारंटी मेरी है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि लोकसभा में उन्होंने दो बातें रखी थीं-पहली, सामाजिक न्याय के लिए 50 फीसदी आरक्षण की दीवार को तोड़कर फेंक दिया जाएगा तथा दूसरी, देश में पिछड़े, अतिपिछड़े और दलितों को उचित भागीदारी नहीं मिली है, इसके लिए जाति-

जनगणना कराई जाएगी। उन्होंने दावा किया कि मोदी सरकार ने डर कर जाति-जनगणना की बात मान ली है।

गांधी ने कहा कि यह संकल्प अतिपिछड़ों की आवाज है और इसे लागू किया जाएगा। उन्होंने नीतीश कुमार पर हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि राज्य में 20 वर्षों से सरकार में रहते हुए भी जनता दल (यू) के नेता ने अतिपिछड़ों के लिए कुछ नहीं किया।

कांग्रेस नेता ने कहा, नीतीश कुमार ने आपसे वोट लिया और बाद में आपको इस्तेमाल कर किनारे कर दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस संविधान को मानने वाली पार्टी है, जबकि भाजपा संविधान को खत्म करना चाहती है। गांधी ने संवाद के दौरान 'हाइड्रोजन बम' का भी उल्लेख किया और कहा कि यह ''जल्द आने वाला है। इससे पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि 'अतिपिछड़ा न्याय संकल्प' को कांग्रेस का पूरा समर्थन है।

बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष यादव ने अपने संबोधन में कहा कि 17 महीने की महागठबंधन सरकार के दौरान आरक्षण की सीमा 65 फीसदी की गई थी और केंद्र को इसे नौवीं अनुसूची में शामिल करने का प्रस्ताव भेजा गया था, लेकिन मांग नहीं मानी गई।

भारतीय कला निरंतर विकसित हो रही है और नए आयाम प्रस्तुत कर रही है

▪ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 20 कलाकारों को ललित कला अकादमी राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को 20 कलाकारों को ललित कला अकादमी राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया और कहा कि कला सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध करने तथा समाज को अधिक संवेदनशील बनाने का एक सशक्त माध्यम है। पुरस्कार समारोह के साथ ही अकादमी में 64वीं राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी का समापन भी हुआ, जिसमें चित्रकला, मूर्तिकला, फोटोग्राफी और इंस्टालेशन जैसे विषयों में देश भर से 283 कलाकृतियां प्रदर्शित की गईं।

मुर्मू ने कहा, भारतीय परंपरा में कला को आध्यात्मिक साधना का एक रूप माना गया है। हमारे समाज में कलाकारों को विशेष सम्मान दिया जाता है। आपकी कला न केवल सौंदर्य अभिव्यक्ति का माध्यम है, बल्कि हमारी सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध करने और

समाज को अधिक संवेदनशील बनाने का एक सशक्त माध्यम भी है। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनी में दिखायी कलाकृतियों से यह स्पष्ट है कि भारतीय कला निरंतर विकसित हो रही है और नए आयाम प्रस्तुत कर रही है।

मुर्मू ने कहा, हमारे कलाकार अपने विचारों, दृष्टि और रचनात्मकता के माध्यम से एक नए भारत की छवि प्रस्तुत कर रहे हैं।

अभिषेक शर्मा, एस. सोनम ताशी, विजय एम ढोरे, भास्कर जॉयती गोगोई, आशीष घोष, गिरिराज शर्मा, आनंद जयसवाल, केसीएस प्रसन्ना, कनु प्रिया, तापती भौमिक मजूमदार और वेणुगोपाल वीजी सहित सम्मानित कलाकारों को दो लाख रुपए की पुरस्कार राशि, एक स्मृति चिह्न और एक प्रमाण पत्र दिया गया।

यह पहली बार है जब ललित कला अकादमी ने कलाकारों में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने और भारत की रचनात्मक अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए प्रदर्शित कलाकृतियों को बिक्री के लिए रखा।

राष्ट्रपति ने कहा कि कलाकृतियों का उचित मूल्यांकन उन लोगों को प्रेरित करेगा, जो कला को पेशे के रूप में अपनाना चाहते हैं।

मुर्मू ने कहा, अपनी कला को मूर्त रूप देने के लिए कलाकारों को अपना समय, ऊर्जा और संसाधन समर्पित करने चाहिए। कलाकृतियों का उचित मूल्यांकन न केवल कलाकारों को प्रोत्साहित करेगा, बल्कि उन लोगों को भी प्रेरित करेगा जो कला को एक पेशे के रूप में अपनाना चाहते हैं।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

उलटबांसी

बहरों की सभा सुन रही है,
गूंगे अब गाते मधुर गान।
लूले मैराथन जीत रहे,
बाबाजी देते अतुल दान।
गुणवान सड़क पर घूम रहे,
हो रहा ढपोरों का बखान।
भ्रष्टाचारी निर्द्वंद्व फिरे,
फिर भी अपना भारत महान।।

भारत 'हमारे साथ ही है' : जेलेंस्की

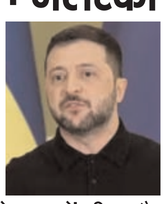

वाशिंगटन/भाषा। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि भारत हमारे साथ ही है और उम्मीद जताई कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हस्तक्षेप से नई दिल्ली का रूसी ऊर्जा क्षेत्र के प्रति रवैया बदलेगा। जेलेंस्की 'फॉक्स न्यूज' के साथ एक साक्षात्कार के दौरान यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध में चीन और भारत की भूमिका के बारे में पूछे गए प्रश्न का उत्तर दे रहे थे। अमेरिका अक्सर भारत और चीन पर रूसी हथियार खरीदने का आरोप लगाता रहा है, जिसके बारे में राष्ट्रपति ट्रंप का दावा है कि यह हथियार यूक्रेन के खिलाफ मास्को के युद्ध में उसे धन मुहैया कराते हैं। जेलेंस्की ने कहा, मुझे लगता है कि भारत मुख्य रूप से हमारे साथ है। हां, हमारे पास ऊर्जा को लेकर कुछ सवाल हैं, लेकिन मुझे लगता है कि राष्ट्रपति ट्रंप यूरोपीय (देशों) के साथ मिलकर इसे प्रबंधित कर सकते हैं तथा भारत के साथ अधिक मजबूत और करीबी संबंध बना सकते हैं। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा, और मुझे लगता है कि हमें हर संभव प्रयास करना चाहिए ताकि भारतीयों को पैर पीछे नहीं खींचने पड़े और वे रूसी ऊर्जा क्षेत्र के प्रति अपना रुख बदलेंगे।

हिंसा के बाद लेह में निषेधाज्ञा लागू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लेह/भाषा। लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और छठी अनुसूची के विस्तार की मांग को लेकर जारी आंदोलन के हिंसक रूप लेने के बाद बुधवार को प्रशासन ने लद्दाख के लेह जिले में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी। निषेधाज्ञा के तहत पांच या इससे अधिक व्यक्तियों के एकत्र होने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

अधिकारियों ने बताया कि लेह में हिंसक झड़पों में चार लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। 'लेह एपेक्स बॉडी' (एलएबी) के नेतृत्व वाला आंदोलन तब हिंसक हो गया जब प्रदर्शनकारियों ने भाजपा कार्यालय और कई वाहनों में आग लगा दी और सैकड़ों लोग सड़कों पर उतर आए।

लद्दाख की राजधानी में पूर्ण बंद के बीच आग की लपटें और काला धुआं देखा जा सकता था।

लेह के जिला मजिस्ट्रेट रोमिल सिंह डोंक ने निषेधाज्ञा आदेश जारी कर कहा कि इस आदेश का कोई भी उल्लंघन होने पर बीएनएस की धारा 223 के तहत दंडात्मक कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने कहा कि बीएनएसएस की धारा 163 के तहत सक्षम प्राधिकारी की पूर्व लिखित स्वीकृति के बिना कोई जुलूस, रैली या मार्च नहीं निकाला जायेगा।

ट्रंप ने संयुक्त राष्ट्र को 'नाकारा' बताया, यूरोप को चेतावनी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संयुक्त राष्ट्र/एपी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को विश्व निकाय को संबोधित करते हुए संयुक्त राष्ट्र की आलोचना की और उसे एक नाकारा संस्था बताया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने अमेरिका के अपने नेतृत्व में उठाए गए कदमों की सराहना की और साथ ही चेतावनी दी कि यदि यूरोप गलत प्रवासी और हरित ऊर्जा नीतियों से पीछे नहीं हटता तो उसका विनाश हो जाएगा।

संयुक्त राष्ट्र महासभा में लगभग एक घंटे लंबे अपने भाषण में ट्रंप ने शिकायतों और आत्म-प्रशंसा से भरे लहजे में न केवल अपने दूसरे कार्यकाल की उपलब्धियों का बखान किया, बल्कि यह भी कहा कि कुछ विश्व नेताओं के देशों की हालत ''नरक जैसी'' हो रही है। ट्रंप ने वैश्विक संस्था की निष्क्रियता की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि यह खोखले शब्दों से भरी है जो युद्धों का समाधान नहीं करती। उन्होंने कहा, संयुक्त राष्ट्र का उद्देश्य क्या है? संयुक्त राष्ट्र में अपार संभावनाएं हैं। मैंने हमेशा यह कहा है। इसमें बेहद बड़ी संभावनाएं हैं। लेकिन यह उन संभावनाओं को पूरा करने के करीब भी नहीं पहुंच रहा।

बहरहाल, बाद में ट्रंप ने कुछ राजनयिकों की आशंकाओं को दूर करने की कोशिश की और संयुक्त राष्ट्र के शीर्ष नेता को यह आश्वासन दिया कि अपनी पहले की आलोचनाओं के बावजूद अमेरिका वैश्विक निकाय का ''100 प्रतिशत'' समर्थन करता है। ट्रंप ने अपनी सरकार की उन नीतियों का बखान किया जिनके तहत अमेरिका में तेल और प्राकृतिक गैस की खुदाई को बढ़ावा दिया गया।

सीबीएसई कक्षा 10, 12 की बोर्ड परीक्षाएं 17 फरवरी से आयोजित करेगा

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) अगले साल 17 फरवरी से कक्षा 10 और 12 की बोर्ड परीक्षाएं आयोजित करेगा। अधिकारियों ने बुधवार को यह घोषणा की। बोर्ड ने महत्वपूर्ण परीक्षाओं के लिए एक अस्थायी 'डेटशीट' की घोषणा की। यह पहली बार है कि कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षाएं एक शैक्षणिक सत्र में दो बार आयोजित की जाएंगी। सीबीएसई के परीक्षा नियंत्रक संयम भारद्वाज ने कहा, पहला संस्करण 17 फरवरी से छह मार्च, 2026 तक आयोजित किया जाएगा, जबकि दूसरा संस्करण 15 मई से एक जून तक आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कक्षा 12 की बोर्ड परीक्षाएं 17 फरवरी से नौ अप्रैल, 2026 तक आयोजित की जाएंगी। भारद्वाज ने कहा, सामान्य दिशानिर्देश के अनुसार, उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन प्रत्येक विषय की परीक्षा के लगभग 10 दिन बाद शुरू होगा।

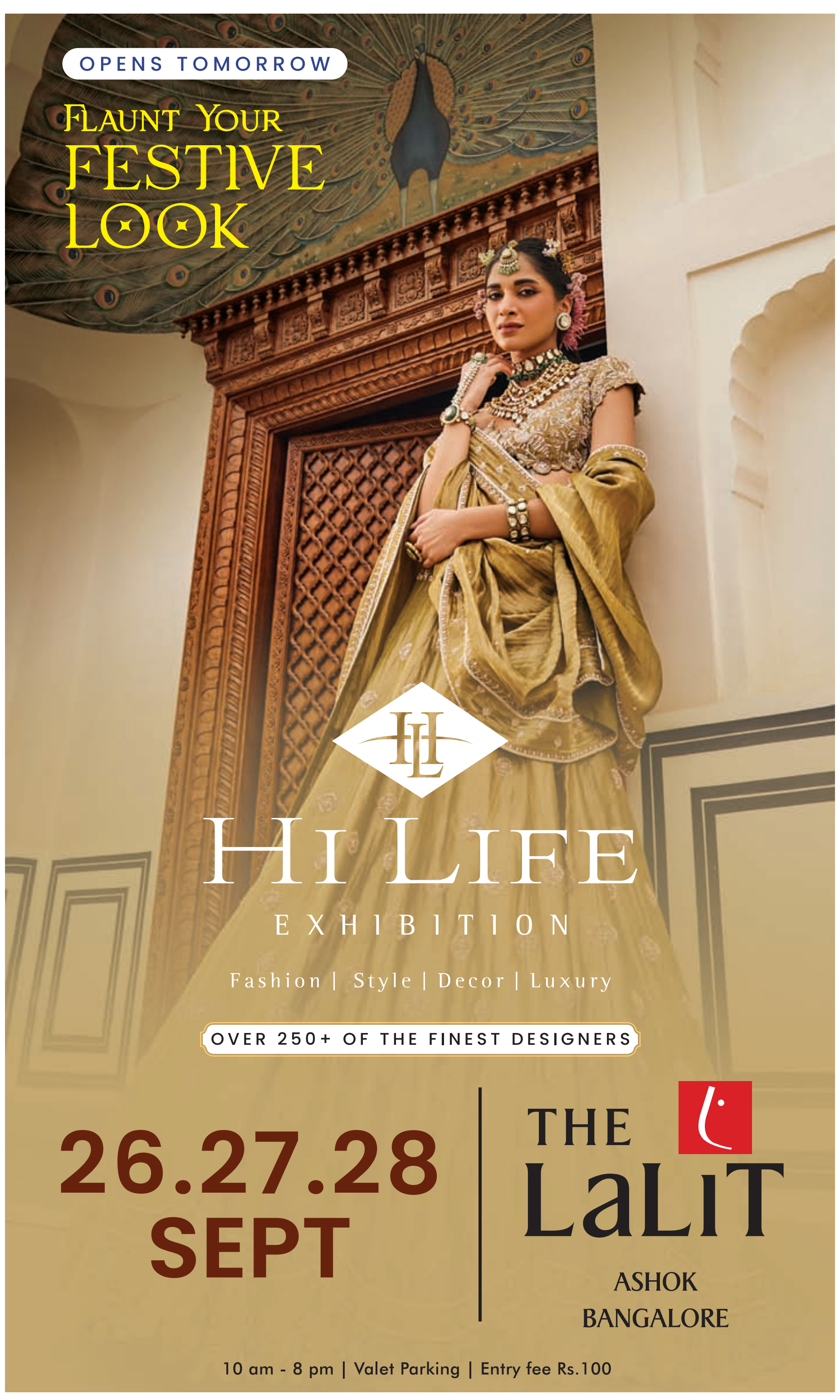

वैश्विक कारकों से किसानों को नहीं मिल पाता फसलों का उचित मूल्य : गडकरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को कहा कि सरकार को उन किसानों का समर्थन करना चाहिए जिन्हें अपनी उपज का उचित मूल्य नहीं मिल पाता है क्योंकि यह दाम वैश्विक कारकों से तय होता है।

गडकरी ने 'भारत जैव-ऊर्जा एवं प्रौद्योगिकी एक्सपो के दूसरे संस्करण' को संबोधित करते हुए कहा कि चीनी की कीमत ब्राजील, तेल की कीमत मलेशिया, मक्के की कीमत अमेरिका और सोयाबीन की कीमत अर्जेंटीना से प्रभावित होती है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, हम ग्रामीण और आदिवासी भारत में गरीबी एवं बेरोजगारी की समस्याओं का सामना कर रहे हैं क्योंकि वैश्विक अर्थव्यवस्था में किसानों को अच्छे मूल्य नहीं मिल रहे हैं।

गडकरी ने कहा कि भारत की 65 प्रतिशत जनसंख्या कृषि गतिविधियों में लगी हुई है लेकिन देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में उनका योगदान महज 14 प्रतिशत है। उन्होंने कहा, ऐसे परिदृश्य में, हमारी ग्रामीण कृषि और आदिवासी अर्थव्यवस्था को बचाकर रखने के लिए, हमें कृषि का समर्थन करने की जरूरत है... जो उपभोक्ता, देश और आपके लिए बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, किसानों को अपनी फसलों का उचित मूल्य नहीं मिलने के कारण कई आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

गडकरी ने कहा कि जब सरकार ने मक्के से बायो-एथेनॉल बनाने की मंजूरी दी तो मक्के की कीमत 1,200 रुपए प्रति क्विंटल से बढ़कर 2,800 रुपए प्रति क्विंटल हो गई। उन्होंने कहा कि मक्के से एथेनॉल का उत्पादन करके किसानों ने 45,000 करोड़ रुपए की अतिरिक्त कमाई की है। उन्होंने कहा, इस तरह देखें तो ऊर्जा और बिजली क्षेत्र की ओर कृषि का विविधीकरण हमारे देश की ज़रूरत है। वैकल्पिक ईंधन और जैव ईंधन का भारत में भविष्य उज्ज्वल है। उन्होंने कहा, फिलहाल हम ऊर्जा के आयातक हैं। वह दिन भी आएगा जब हम ऊर्जा के निर्यातक होंगे। यह देश के लिए सबसे महत्वपूर्ण ऐतिहासिक उपलब्धि होगी।

देश में वायु प्रदूषण का जिक्र करते हुए गडकरी ने कहा कि 40 प्रतिशत वायु प्रदूषण परिवहन ईंधन के कारण होता है और यह देश, खासकर दिल्ली के लिए एक बड़ी समस्या है। उन्होंने कहा कि भारत हर साल 22 लाख करोड़ रुपए मूल्य के जीवाश्म ईंधन का आयात करता है जिससे वायु प्रदूषण भी बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, आर्थिक और प्रदूषण दोनों ही नजरिये से, यह दुनिया और भारत के लिए जैव ईंधन और वैकल्पिक ईंधन को प्रोत्साहित करने का समय है। गडकरी ने कहा कि उनका लक्ष्य भारत को टिकाऊ विमानन ईंधन के क्षेत्र में भी अग्रणी बनाना है।

लेह में प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाकर्मियों के बीच झड़प में 4 लोगों की मौत, 30 घायल : अधिकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लेह/भाषा। लद्दाख के लेह शहर में बुधवार को लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) द्वारा प्रायोजित बंद के दौरान प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाकर्मियों के बीच झड़प में चार लोगों की मौत हो गई और 30 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और छठी अनुसूची के विस्तार की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे प्रदर्शनकारियों ने हिंसा की और भाजपा कार्यालय तथा कई वाहनों पर हमला किया, जिसके बाद स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए पुलिस को गोलीबारी करनी पड़ी। झड़पों में चार लोग मारे गए और 30 अन्य घायल हो गए। प्रदर्शनकारियों ने दावा किया कि पुलिस की गोलीबारी में चार लोग मारे गए। राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची के विस्तार की मांग के समर्थन में 10 सितंबर से 35 दिनों की भूख हड़ताल पर बैठे 15 लोगों में से दो की मंगलवार शाम हालत बिगड़ने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था जिसके बाद लद्दाख एपेक्स बॉडी (एलएबी) की युवा शाखा ने विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया था।

भारत, अमेरिका के बीच विभिन्न स्तरों पर व्यापार वार्ता जारी : अधिकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत और अमेरिका के बीच व्यापार और गैर-व्यापार दोनों मुद्दों पर विभिन्न स्तरों पर बातचीत हो रही है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल व्यापार वार्ता के लिए एक प्रतिनिधिमंडल के साथ अमेरिका यात्रा पर हैं। प्रतिनिधिमंडल में विशेष सचिव एवं भारत के मुख्य वार्ताकार राजेश अग्रवाल सहित कई वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं।

अधिकारी ने कहा, विभिन्न स्तरों पर बातचीत हो रही है। उन्होंने बताया कि मंत्री के नेतृत्व दल के इस सप्ताह के अंत में अमेरिका से लौटने की उम्मीद है। भारत में अमेरिकी मुख्य वार्ताकार ब्रेंडन लिंच और अग्रवाल के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर हाल ही में संपन्न हुई एक दिवसीय चर्चा की पृष्ठभूमि में यह यात्रा हो रही है। वाणिज्य मंत्रालय ने 16 सितंबर को कहा था कि द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर अमेरिकी दल के साथ दिनभर चली चर्चा सकारात्मक रही और दोनों पक्ष समझौते को शीघ्र एवं पारस्परिक रूप से लाभकारी बनाने के लिए प्रयास करने पर सहमत हुए। अमेरिकी बाजार में प्रवेश करने वाले भारतीय सामान पर 25 प्रतिशत शुल्क और अतिरिक्त 25 प्रतिशत जुर्माना लगने के बाद अमेरिकी अधिकारियों की भारत की यह पहली यात्रा थी। इस वर्ष फरवरी में दोनों देशों के नेताओं ने अधिकारियों को प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर बातचीत करने का निर्देश दिया था। समझौते के पहले चरण को 2025 की शरद ऋतु (अक्टूबर-नवंबर) तक पूरा करने की योजना थी। अब तक पांच दौर की वार्ताएं हो चुकी हैं। इस समझौते का उद्देश्य द्विपक्षीय व्यापार को वर्तमान के 191 अरब अमेरिकी डॉलर से दोगुना से भी अधिक बढ़ाकर 2030 तक 500 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाना है।

गोयल ने व्यापार वार्ता के लिए मई की शुरुआत में भी वाशिंगटन की यात्रा की थी। उन्होंने वाशिंगटन में अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक के साथ विचार-विमर्श किया। वित्त वर्ष 2024-25 में अमेरिका लगातार चौथे वर्ष भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बना रहा जिसका द्विपक्षीय व्यापार 131.84 अरब अमेरिकी डॉलर (86.5 अरब अमेरिकी डॉलर का निर्यात) रहा।

भारत के कुल वस्तु निर्यात में अमेरिका की हिस्सेदारी लगभग 18 प्रतिशत, आयात में 6.22 प्रतिशत और देश के कुल वस्तु व्यापार में 10.73 प्रतिशत है।

राउत खोखली बातें करते हैं जबकि महायुति नेता किसानों के साथ खड़े हैं : भाजपा

मुंबई/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की महाराष्ट्र इकाई ने बुधवार को कहा कि महायुति के मंत्री और नेता जब मराठावाड़ा में आयी बाढ़ से प्रभावित किसानों के साथ काम कर रहे थे, तब शिवसेना (उबाठा) सांसद संजय राउत ''मुंबई में बैठकर खोखली बातें कर रहे थे। प्रदेश भाजपा के मीडिया प्रकोष्ठ के प्रमुख नवनाथ बान ने बातचीत में दावा किया कि जब उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री थे तो ''किसानों से कालीन पर मुलाकात की जाती थी, लेकिन महायुति के मंत्री अब उनके साथ कीचड़ में खड़े हैं। उन्होंने दावा किया कि ठाकरे मराठवाड़ा के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने से हिचक रहे हैं। बान ने आरोप लगाया, यह क्षेत्र तीन दिनों से कष्ट झेल रहा है। ठाकरे चौथे दिन जा रहे हैं। अगर यह लंदन की यात्रा होती, तो वह पहले दिन ही चले जाते। उन्हें विदेशी दौरे आकर्षित करते हैं, किसानों की पीड़ा नहीं। पिछले कुछ दिनों से मराठवाड़ा क्षेत्र और महाराष्ट्र के कई अन्य हिस्सों में भारी बारिश हो रही है, जिससे व्यापक क्षति हुई है।

सरकार गेहूं उत्पादों के निर्यात की मांग पर 'सकारात्मक' ढंग से विचार करेगी : प्रह्लाद जोशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। खाद्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने बुधवार को कहा कि सरकार आटा और सूजी जैसे गेहूं उत्पादों के निर्यात की अनुमति देने की उद्योग जगत की मांगों पर 'सकारात्मक' ढंग से विचार करेगी। साथ ही उन्होंने कहा कि खाद्य सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है। रोलर फ्लोर मिलर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (आरएफएमएफ) की 85वीं वार्षिक आम बैठक में जोशी ने कहा कि निर्यात संबंधी निर्णयों में कई मंत्रालय शामिल होते हैं और उन्होंने अगले वर्ष के गेहूं उत्पादन पर विचार करने की आवश्यकता पर बल दिया।

जोशी ने कहा, उपभोक्ता हित और खाद्य सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, हम इस पर सकारात्मक रूप से विचार करेंगे। उन्होंने कहा, सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता देश की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना है। चीन के बाद दुनिया के दूसरे सबसे बड़े गेहूं उत्पादक देश भारत ने घरेलू खाद्य सुरक्षा, कम फसल और बढ़ती मुद्रास्फीति की चिंताओं के कारण वर्ष 2022 में गेहूं और उसके बाद गेहूं उत्पादों के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है। मंत्री की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब देश ने रबी सत्र 2024-25 में 11.75 करोड़ टन का रिकॉर्ड गेहूं उत्पादन किया है। जोशी ने कहा, आप (गेहूं उत्पादों के) निर्यात की मांग कर रहे हैं। हम देखेंगे। हम आश्वासन नहीं दे सकते क्योंकि हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता खाद्य सुरक्षा है। उन्होंने तमिलनाडु मंत्री के हालिया अनुरोध का हवाला देते हुए दक्षिणी राज्यों में चावल की तुलना में गेहूं की अधिक मांग का भी उल्लेख किया।

मोती सीपों का एंटी-बैक्टीरिया वायरस से उपचार एंटीबायोटिक मुक्त विकल्प : पद्मश्री अजय सोनकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पद्मश्री से सम्मानित समुद्री जीवविज्ञानी अजय कुमार सोनकर ने कहा है कि बैक्टीरियोफेज (वे विषाणु जो विशेष बैक्टीरिया को निशाना बनाकर नष्ट करते हैं) मोती की खेती में 'सर्जिकल इंप्लांटेशन' के बाद सीपों को स्वस्थ करने का एक प्राकृतिक उपाय प्रस्तुत करते हैं और 'एंटीबायोटिक' के उपयोग का एक टिकाऊ व पर्यावरण अनुकूल विकल्प प्रदान करते हैं।

मोती उत्पादन की प्रक्रिया में सीप के प्राकृतिक रक्षा तंत्र का उपयोग करते हुए उसमें सर्जरी के माध्यम से प्रत्यारोपित किया जाता है, जिससे मोती के निर्माण की प्रक्रिया शुरू होती है।

सोनकर द्वारा 'भाषा' के साथ साझा किए गए एक अध्ययन के सार के अनुसार, प्रयोगों में यह पाया गया कि जिन सीपों को 72 घंटे तक बैक्टीरियोफेज-समृद्ध समुद्री जल में रखा गया, उनमें एंटीबायोटिक उपचार प्राप्त सीपों की तुलना में अधिक तीव्र गति से घाव भरने की प्रक्रिया देखी गई। यूरोपीय एक्वाकल्चर सोसाइटी द्वारा स्पेन के वेलेंसिया में 22 से 25 सितंबर के दौरान आयोजित 'एक्वाकल्चर 2025' सम्मेलन को संबोधित करते हुए सोनकर ने कहा कि सीपों के उपचार में बैक्टीरियोफेज-आधारित तकनीक न केवल प्रभावी है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि भारत वैश्विक स्तर पर जलीय कृषि (एक्वाकल्चर) के लिए एक सतत और स्वास्थ्यवर्धक भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है।

अध्ययन के सार में कहा गया है, यह अध्ययन मोती सीप की खेती में एंटीबायोटिक दवाओं के एक टिकाऊ, पर्यावरण अनुकूल विकल्प के रूप में बैक्टीरियोफेज थेरेपी की क्षमता पर प्रकाश डालता है। इस थेरेपी का एक प्रमुख लाभ इसकी विशिष्टता है, फेज केवल हानिकारक बैक्टीरिया को ही लक्षित करते हैं, जबकि लाभकारी बैक्टीरिया को बरकरार रखते हैं।

मंत्रिमंडल ने जहाज निर्माण, समुद्री क्षेत्र के लिए 69,725 करोड़ रुपए के पैकेज को मंजूरी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने देश में जहाज निर्माण एवं समुद्री वहन क्षेत्र को सुदृढ़ करने के साथ विदेशी जहाजों पर निर्भरता कम करने के लिए बुधवार को 69,725 करोड़ रुपए के व्यापक पैकेज को मंजूरी दी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में इस पैकेज पर मुहर लगाई गई। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संवाददाताओं को इस फैसले की जानकारी दी।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि इस पैकेज को चार स्तंभों पर आधारित किया गया है। इसके तहत घरेलू जहाज निर्माण क्षमता बढ़ाने, दीर्घकालिक वित्तपोषण की सुविधा, नई एवं पुरानी जहाज निर्माण परियोजनाओं के विकास को प्रोत्साहन, तकनीकी क्षमताओं एवं कौशल विकास को बढ़ावा देने के साथ कानूनी, कर एवं नीतिगत सुधार भी लागू किए जाएंगे। मंत्रिमंडल ने 'जहाज निर्माण वित्तीय सहायता योजना' (एसबीएफएएस) को 31 मार्च, 2036 तक बढ़ा दिया गया है और इसके लिए 24,736 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है।

इस योजना के तहत जहाज निर्माण को प्रोत्साहन देने के लिए 4,001 करोड़ रुपए का शिपब्रेकिंग क्रेडिट नोट भी जारी किया जाएगा। इन सभी पहल की निगरानी के लिए 'राष्ट्रीय जहाज निर्माण मिशन' भी शुरू किया जाएगा। इसके अलावा, 25,000 करोड़ रुपए के समुद्री विकास कोष (एमडीएफ) को मंजूरी दी गई है। इसमें 20,000 करोड़ रुपए का समुद्री निवेश कोष होगा जिसमें केंद्र सरकार की 49 प्रतिशत भागीदारी होगी।

केंद्र ने अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए सीएसआईआर की 2,277 करोड़ रुपए की योजना को मंजूरी दी

नई दिल्ली/भाषा। अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने बुधवार को डॉक्टरेट और पोस्ट-डॉक्टरेट फेलोशिप के लिए 2,277 करोड़ रुपए की एक व्यापक योजना को मंजूरी दी और यात्रा एवं संगोष्ठी के माध्यम से ज्ञान को साझा करने को बढ़ावा दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में, 15वें वित्त आयोग के चक्र 2021-22 से 2025-26 की अवधि के लिए 2,277.397 करोड़ रुपए के कुल परिव्यय के साथ वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) की 'क्षमता निर्माण और मानव संसाधन विकास'(सीबीएचआरडी)' को मंजूरी दी गई।

सीएसआईआर द्वारा कार्यान्वित, यह योजना देश भर के सभी अनुसंधान एवं विकास संस्थानों, राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं, राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों, प्रतिष्ठित संस्थानों और विश्वविद्यालयों को कवर करेगी।

अशांति पैदा करने के पड़ोसी देश के प्रयासों का कश्मीरियों ने कभी समर्थन नहीं किया : पवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। राकांपा (एसपी) के प्रमुख शरद पवार ने बुधवार को कहा कि कश्मीरी मुसलमानों ने कभी भी अशांति पैदा करने के एक पड़ोसी देश के प्रयासों का समर्थन नहीं किया। स्थानीय सरहद संस्थान के एक कार्यक्रम में पवार ने पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले का उल्लेख किया, जिसमें 26 लोगों की मौत हुई थी। सरहद संस्थान संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों के छात्रों को शिक्षा प्रदान करता है।

पवार ने कहा, कश्मीर के बाहर के लोग अक्सर कश्मीरी लोगों को लेकर डरे रहते हैं, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और है। कश्मीर भारत का हिस्सा है। कश्मीर ने भारत के लिए बहुत बड़ा योगदान दिया है। उन्होंने कहा, पहलगाम में हमला हुआ। लोग डरे हुए थे और पड़ोसी देश ने अशांति फैलाने की कोशिश की। हालांकि, कश्मीरी लोगों ने कभी उनका साथ नहीं दिया। मुख्यमंत्री (उमर अब्दुल्ला) ने तुरंत एक बैठक बुलाई और एक प्रस्ताव पेश किया गया जिसमें कहा गया कि 'हम भारत के साथ खड़े रहेंगे, हम इस हमले का समर्थन नहीं करेंगे और कश्मीर की रक्षा के लिए जो भी जरूरी होगा, करेंगे। पूर्व रक्षा मंत्री पवार ने कहा, पड़ोसी देश चाहे जो भी करने की कोशिश करे, कश्मीरी लोग कभी भी उनके साथ नहीं जाएंगे। इसलिए हमें कश्मीरियों और कश्मीरी मुसलमानों के प्रति हमेशा सकारात्मक दृष्टिकोण रखना चाहिए।

'नकल जिहादियों' को मिट्टी में मिलाने तक चैन से नहीं बैठेंगे : धामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को कहा कि राज्य में एक षडयंत्र के तहत संगठित रूप से 'नकल जिहाद' छेड़ने का प्रयास किया जा रहा है, लेकिन उनकी सरकार 'नकल जिहादियों' को मिट्टी में मिलाने तक चैन से नहीं बैठेगी।

हाल में उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूकेएसएसएससी) की स्नातक स्तरीय परीक्षा के एक प्रश्नपत्र के तीन पन्ने कथित तौर पर लीक होने से प्रदेश में मचे हड़कंप के बीच मुख्यमंत्री ने यहां एक कार्यक्रम में कहा, युवाओं के भविष्य को अंधकार में धकेलने के लिए संगठित होकर पेपर लीक कराने के षडयंत्र रचे जा रहे हैं। कोचिंग माफिया और नकल माफिया एक होकर राज्य में 'नकल जिहाद' छेड़ने का प्रयास कर रहे हैं। जांच से पहले ही प्रदेश में अराजकता फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, लेकिन मैं उन सभी नकल माफियाओं और जिहादियों को बता देना चाहता हूं कि हमारी सरकार राज्य में नकल माफियाओं को जब तक मिट्टी में नहीं मिला देगी तब तक हम चैन से नहीं बैठेंगे।

मुख्यमंत्री यहां भाजपा के नवनियुक्त प्रदेश पदाधिकारियों के लिए आयोजित एक प्रशिक्षण कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। धामी ने कहा कि राज्य में नकल माफिया पर अंकुश लगाने के लिए सख्त नकल विरोधी कानून लागू किया गया जिसके बाद पिछले चार वर्षों में 25 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी दी गई है। उन्होंने कहा कि राज्य बनने के बाद 21 सालों में केवल 16 हजार लोगों को नौकरियां मिली थीं। धामी ने यह भी कहा कि नकल विरोधी कानून के लागू होने के बाद 2022 से लेकर अब तक 100 से अधिक नकल माफियाओं को जेल की सलाखों के पीछे पहुंचाया गया है। हालांकि, उन्होंने कहा कि कुछ लोगों को यह रास नहीं आ रहा कि युवाओं का उनकी योग्यता, क्षमता और प्रतिभा के आधार पर सरकारी नौकरी में चयन हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी जानते हैं कि पेपर लीक होने की स्थिति में पेपर शुरू होने से पहले ही बाहर आ जाता है लेकिन इस बार केवल एक जगह एक परीक्षा केंद्र में किसी ने अंदर से फोटो खींचकर बाहर भेज दी जिस पर बाद में हंगामा खड़ा कर दिया गया।

राजोआना को अब तक फांसी क्यों नहीं दी गई : उच्चतम न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को पूछा कि 1995 में पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह की हत्या के लिए गए मौत की सजा पाए बलवंत सिंह राजोआना को अब तक फांसी क्यों नहीं दी गई, जबकि केंद्र ने कहा था कि यह एक ''गंभीर अपराध'' है। राजोआना पिछले 29 वर्षों से जेल में बंद है, जिसमें से 15 वर्ष उसने मृत्युदंड की सजा काटी है।

अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के. एम. नटराज ने न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एन. वी. अंजारिया को अपराध की गंभीरता से अवगत कराया। पीठ ने नटराज से पूछा, आपने अब तक उसे फांसी क्यों नहीं दी? इसके लिए कौन जिम्मेदार है? कम से कम हमने तो फांसी पर रोक नहीं लगाई है।

शीर्ष अदालत राजोआना की दया याचिका पर फैसले में देरी के आधार पर उसकी मौत की सजा को आजीवन कारावास में बदलने की याचिका पर सुनवाई कर रही है। राजोआना की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने कहा कि उनके मुवक्किल की दया याचिका पर कोई फैसला नहीं हुआ है। नटराज ने कहा कि वह निर्देश लेंगे और पीठ को स्थिति से अवगत कराएंगे। रोहतगी ने कहा, कोई नहीं जानता कि क्या हो रहा है। शीर्ष अदालत ने पहले कहा था कि दया याचिका पर समय पर फैसला किया जाना चाहिए।

छह वर्ष से कम आयु के बच्चे 'फॉस्टर केयर' के लिए पात्र नहीं : केंद्र ने स्पष्ट किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने स्पष्ट किया है कि छह वर्ष से कम आयु के बच्चे 'फॉस्टर केयर' (अस्थायी देखभाल व्यवस्था) के लिए पात्र नहीं हैं। सरकार की ओर से यह स्पष्टीकरण नए नियमों की अलग-अलग व्याख्याओं पर चिंता जताये जाने के बाद जारी किया गया है। 'फॉस्टर केयर' ऐसी व्यवस्था है, जिसमें उन बच्चों को अस्थायी रूप से किसी अन्य परिवार में रखा जाता है, जिनके माता-पिता उनकी देखभाल करने में असमर्थ होते हैं, लेकिन वैसे बच्चों को गोद लेने के लिए कानूनी रूप से उपलब्ध घोषित नहीं किया गया होता है। यह देखभाल सरकार या किसी सामाजिक संस्था की निगरानी में होती है।

केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण (सीएआरए) ने पिछले सप्ताह जारी एक कार्यालय ज्ञापन में, किशोर न्याय नियमावली के नियम 23(3) और आदर्श पालक देखभाल दिशानिर्देशों के बिंदु 4(1) का उल्लेख किया है, जिसमें कहा गया है कि केवल छह वर्ष और उससे अधिक आयु के बच्चे ही अधिनियम के नियम 44 में परिभाषित परिस्थितियों के तहत पालक देखभाल में रखे जाने के पात्र हैं। वैधानिक निकाय ने कहा कि कुछ एजेंसी ने विनियमों की व्याख्या के संबंध में मुद्दे उठाए थे, जिसके कारण स्पष्टीकरण आया है। ज्ञापन में कहा गया है, इसलिए, यह दोहराया जाता है कि छह वर्ष से कम आयु के किसी भी बच्चे को 'फोस्टर केयर' के तहत नहीं रखा जाएगा...इससे किसी भी प्रकार का विचलन उक्त नियम और आदर्श पालक देखभाल दिशानिर्देश, 2024 का उल्लंघन माना जाएगा।

यह निर्देश सभी राज्य दत्तक ग्रहण संसाधन एजेंसियों (एसएआरए), जिला बाल संरक्षण इकाइयों (डीसीपीयू) और विशिष्ट दत्तक ग्रहण एजेंसियों (एसएए) को एकरूप अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए भेजा गया है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, गैर-संस्थागत देखभाल में बच्चों की संख्या 2021-22 और 2023-24 के बीच चार गुना बढ़ गई है।

पायलटों के समूह एफआईपी ने एअर इंडिया विमान दुर्घटना की न्यायिक जांच की मांग की

मुंबई/नई दिल्ली/भाषा। फेडरेशन ऑफ इंडियन पायलट्स (एफआईपी) ने सरकार से एअर इंडिया ड्रीमलाइनर दुर्घटना की न्यायिक जांच का आदेश देने का आग्रह किया है, जिसमें 260 लोग मारे गए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा जांच को प्रभावित किया गया है और इसे रोक दिया जाना चाहिए। एफआईपी की यह मांग, एअर इंडिया विमान के पायलटों में से एक कैप्टन सुमित सभरवाल के पिता पुष्कराज सभरवाल द्वारा केंद्र सरकार से औपचारिक जांच की मांग के एक महीने से भी कम समय बाद आई है। विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) द्वारा इस मामले की जांच की जा रही है।

लगभग 5,500 पायलटों का प्रतिनिधित्व करने वाले एफआईपी ने 22 सितंबर को नागरिक उड्डयन मंत्री के राममोहन नायडू को लिखे एक पत्र में कहा, एक दोषपूर्ण घरेलू जांच वैश्विक विमानन समुदाय में भारत की प्रतिष्ठा को खतरे में डालती है। इसलिए न्यायिक जांच न केवल न्याय का मामला है, बल्कि मंत्रालय के लिए इन गंभीर प्रक्रियागत खामियों को दूर करने और अपने कानूनी तथा प्रतिष्ठा संबंधी जोखिम को कम करने के लिए एक आवश्यक तंत्र भी है।

पत्र में कहा गया है कि एएआईबी की निजी, प्रशासनिक प्रक्रिया के विपरीत, अदालत शपथ के तहत गवाही देने के लिए बाध्य कर सकती है, समन जारी कर सकती है, तथा बोइंग और जनरल इलेक्ट्रिक जैसे अंतरराष्ट्रीय निर्माताओं सहित किसी भी पक्ष से सभी दस्तावेजों को प्रस्तुत करने की मांग कर सकती है। पत्र पर टिप्पणी मांगने के लिए मंत्रालय को भेजे गए प्रश्न का तत्काल कोई जवाब नहीं मिला। इस बीच, 22 सितंबर को उच्चतम न्यायालय की एक पीठ ने केंद्र और नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) को दुर्घटना की स्वतंत्र, निष्पक्ष और शीघ्र जांच के पहलू पर नोटिस जारी किया, क्योंकि इसमें यह भी उल्लेख किया गया कि पीड़ितों के परिवारों की गोपनीयता और सम्मान का तत्व भी शामिल था।

भाजपा ने सड़कों की खराब स्थिति के मुद्दे पर प्रदर्शन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को राजधानी बेंगलूरु समेत राज्य के विभिन्न हिस्सों में प्रदर्शन किया और समूचे प्रदेश में सड़कों की खराब स्थिति तथा गड्ढों की समस्या को लेकर सिद्धरमैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा। पार्टी सूत्रों ने बताया कि बेंगलूरु में भाजपा नेताओं ने गड्ढे भरकर प्रदर्शन किया, जबकि राज्य के कई अन्य हिस्सों में 'रास्ता रोको' प्रदर्शन किए गए। उन्होंने बताया कि लगभग सभी विधानसभा क्षेत्रों में प्रदर्शन जारी हैं।

प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे विपक्ष के नेता आर. अशोक ने अन्य विधायकों और पार्टी नेताओं के साथ बनशंकरी में गड्ढे भरे। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि पूरे कर्नाटक में चाहे गांव हों या बेंगलूरु, सड़कें मौत को दावत दे रही हैं, क्योंकि खराब सड़कों के कारण आए दिन लोगों के हताहत होने और घायल होने की खबरें आ रही हैं। उन्होंने कहा, गड्ढों को भरकर हम सरकार को यह संदेश दे रहे हैं कि वह जिम्मेदारी निभाने में अक्षम हो गई है। स्थिति ऐसी है कि लोगों को अपनी सड़कों की मरम्मत खुद करनी पड़ रही है क्योंकि सरकार गारंटी योजनाओं के कारण दिवालिया हो गई है। उद्योग, आईटी/बीटी (सूचना प्रौद्योगिकी/बायोटेक्नोलॉजी) कंपनियां यहां की सड़कों की हालत के कारण बेंगलूरु से बाहर जाने की योजना बना रही हैं।

दिल्ली में प्रधानमंत्री आवास की ओर जाने वाली सड़क पर गड्ढे होने संबंधी उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार के बयान पर निशाना साधते हुए अशोक ने कहा, श्रीमान शिवकुमार, कृपया विमान में सवार होकर अमेरिका जाएं और पता करें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आवास के सामने कोई गड्ढा तो नहीं है। उन्होंने कहा, कृपया देखें कि आपने (शिवकुमार) क्या किया है और आप क्या कर सकते हैं। लोगों ने आपको चुना है। आप सत्ता में यह बताने के लिए हैं कि आपने क्या किया है, मोदी के बारे में नहीं... यह भाजपा नहीं है, राज्य भर के लोग और मीडिया हर दिन सड़कों की खराब स्थिति के बारे में शिकायत कर रहे हैं। लगभग 2.5 साल सत्ता में रहने के बावजूद, आप अब भी जिम्मेदारी लेने के बजाय भाजपा सरकार पर उंगली उठाने की कोशिश कर रहे हैं। सरकार पर सड़कों की मरम्मत के नाम पर उचित सड़कें बनाने के बजाय अस्थायी मरम्मत करने का आरोप लगाते हुए उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि अगर उसके पास धन है तो वह बेंगलूरु में सड़क निर्माण के लिए 10,000 करोड़ रुपये जारी करे।

विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी, बेंगलूरु सेंट्रल के सांसद पी. सी. मोहन और अन्य लोगों ने यहां बीवीके अय्यंगार रोड पर इसी तरह के गड्ढे भरकर प्रदर्शन में हिस्सा लिया। बेंगलूरु के येलहंका में जारी प्रदर्शन का नेतृत्व विधायक एस. आर. विश्वनाथ ने किया। पूर्व विधायकों और नेताओं ने पार्टी के उत्तरी बेंगलूरु क्षेत्र में गड्ढे भरकर प्रदर्शन किया। मंड्या, चित्रदुर्ग, शिवमोगा, गडग, कोप्पल जिलों सहित अन्य स्थानों पर सड़कें जाम करके और गड्ढों को भरकर प्रदर्शन किए गए।

कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार राज्य में सड़कों की स्थिति, विशेष रूप से बेंगलूरु में सड़कों में गड्ढों को लेकर विभिन्न वर्गों की तीखी आलोचना का सामना कर रही है। बेंगलूरु में सड़कों की खराब स्थिति के लिए आलोचना झेलने के बाद मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने अधिकारियों के लिए एक महीने की समय सीमा तय की है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी गड्ढे भर दिए जाएं और सड़कें अच्छी स्थिति में हों।

बेंगलूरु में उद्योग जगत के दिग्गजों जैसे इंफोसिस के पूर्व मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) मोहनदास पई और बायोकॉन की चेयरपर्सन किरण मजूमदार-शॉ सहित कई प्रमुख लोगों ने हाल में राज्य सरकार से इस संबंध में तुरंत हस्तक्षेप करने का आग्रह किया था। सड़कों की हालत को लेकर आक्रोश तब और बढ़ गया जब ऑनलाइन ट्रकिंग मंच ब्लैकबक ने आवागमन और सड़क के बुनियादी ढांचे की समस्याओं का हवाला देते हुए बेंगलूरु के आउटर रिंग रोड (ओआरआर) पर बेलंदूर स्थित कंपनी के कार्यालय को उसके मौजूदा स्थान से हटाने का फैसला किया। ब्लैकबक, ट्रक ऑपरेटरों के लिए भारत का सबसे बड़ा डिजिटल मंच है जो ट्रक ऑपरेटरों को खाली ट्रकों में लोड ढूंढने, खर्चों को नियंत्रित करने और लोड प्राइसिंग तय करने में मदद करता है।

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने मंगलवार को कहा कि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली समेत पूरे देश में गड्ढों की समस्या है और मीडिया में इसे इस तरह से दिखाना कि समस्या सिर्फ कर्नाटक में है, यह सही नहीं है। शिवकुमार बेंगलूरु विकास मामलों के प्रभारी मंत्री भी हैं। उन्होंने कहा कि इस समस्या को ठीक करना सरकार का कर्तव्य और जिम्मेदारी है और वह इस पर काम कर रही है। शिवकुमार ने कहा, हम बारिश के बावजूद गड्ढे भर रहे हैं। हर निगम (बेंगलूरु में पांच निगम) में लगभग एक हजार गड्ढे भरने का काम रोजाना किया जा रहा है।

उन्होंने सत्ता में रहते हुए सड़कों का रखरखाव नहीं करने और अब नगर निकाय चुनावों के मद्देनजर इस मुद्दे को उठाने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा। इससे पहले, उपमुख्यमंत्री ने कहा था कि बेंगलूरु में सड़कों के विकास को बढ़ावा दिया जाएगा और मरम्मत एवं निर्माण के लिए 1,100 करोड़ रुपये आवंटित किए जाएंगे।

बेंगलूरु में यौन उत्पीड़न के आरोप में शिक्षक पर मामला दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु में एक महिला द्वारा, एक शिक्षक पर शादी का झांसा देकर धोखाधड़ी और यौन शोषण करने तथा आपराधिक धमकी देने का आरोप लगाने के बाद उसके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पीड़िता ने मंगलवार को पुलिस में दी गई अपनी शिकायत में कहा कि वह तलाकशुदा है। वह आरोपी ऐबे मैथ्यू के संपर्क में आई और उससे बातचीत में अपनी पारिवारिक समस्याओं का जिक्र किया। आरोपी ने उसे मदद का भरोसा दिया और बेंगलूरु में एक किराए के मकान का इंतजाम किया, जहां वे साथ रहने लगे।

शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि आरोपी ने उससे शादी का वादा किया था और दोनों पति-पत्नी की तरह साथ रहने लगे थे। हालांकि, 20 सितंबर, 2025 को जब पीड़िता ने मैथ्यू से शादी के लिए कहा तो आरोपी ने कथित तौर पर उसके साथ दुर्व्यवहार किया और धमकी दी कि अगर उसने दोबारा यह मुद्दा उठाया तो वह उसे जान से मार देगा।

शिकायत में महिला ने व्यक्ति पर शादी का वादा पूरा किए बिना उसे धोखा देने का आरोप लगाते हुए कहा कि आरोपी ने उसका मोबाइल फोन छीन लिया और अपना सामान लेकर घर छोड़कर चला गया तथा फिर कभी वापस नहीं लौटा। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया है कि मैथ्यू के पास सैकड़ों आपत्तिजनक वीडियो हैं। फिलहाल, आरोपी फरार है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि केरल का रहने वाला आरोपी गोट्टीगेरे के एक स्कूल में क्रिकेट कोच के रूप में काम करता था।

अधिकारी ने कहा, हमने अब तक उसे गिरफ्तार नहीं किया है और उसकी तलाश की जा रही है। हम पुष्टि नहीं कर सकते कि उसके मोबाइल में कितने वीडियो हैं, लेकिन पीड़िता का आरोप है कि सैकड़ों वीडियो हैं। वह तलाकशुदा है और उसकी एक बेटी है। वह तीन-चार साल पहले आरोपी से मिली थी, क्योंकि वह उसी स्कूल में काम करता था जहां उसकी बेटी पढ़ती है। अधिकारी ने बताया कि मैथ्यू के अनुसार वे पिछले दो साल से साथ रह रहे हैं।

इस बीच पुलिस ने बताया कि मैथ्यू ने एक वीडियो संदेश में कहा था कि वह अपने पिता की जमीन से जुड़े कुछ मुद्दों के कारण अपने माता-पिता से मिलने अपने पैतृक घर आया था, जिसके बारे में पीड़िता भी जानती है। उसने कहा, मुझे नहीं पता कि वह ऐसे आरोप क्यों लगा रही है। मैं उसके साथ रहूंगा। मेरा इरादा उससे शादी करके उसके साथ रहने का था। मेरा उसे धोखा देकर छोड़ने का कोई इरादा नहीं था। मैं जल्द आकर इस मामले के संबंध में जवाब दूंगा।

अदालत ने सोशल मीडिया मंच एक्स कंपनी की याचिका खारिज की

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । कर्नाटक उच्च न्यायालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' की वह याचिका बुधवार को खारिज कर दी जिसमें उसने सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत सामग्री हटाने का आदेश जारी करने के सरकारी अधिकारियों के अधिकार को चुनौती दी थी। न्यायमूर्ति एम. नागप्रसन्ना के नेतृत्व वाली पीठ ने कहा कि सोशल मीडिया को विनियमित करने की आवश्यकता है, विशेष रूप से महिलाओं के खिलाफ अपराधों के मामलों में।

अदालत ने कहा, सोशल मीडिया को विनियमित करने की आवश्यकता है और यह विनियमन अत्यंत आवश्यक है, विशेषकर महिलाओं के विरुद्ध अपराधों के मामलों में, क्योंकि ऐसा नहीं करने पर संविधान में प्रदत्त नागरिक को गरिमा का अधिकार बाधित होता है। अदालत ने ध्यान दिलाया कि 'एक्स' कॉर्प अमेरिका में विषय सामग्री को हटाने के आदेशों का पालन करता है, क्योंकि वहां उसका उल्लंघन करना अपराध है। न्यायमूर्ति नागप्रसन्ना ने कहा, लेकिन वही याचिकाकर्ता इस देश की सीमा में कानून के विरुद्ध कोई विषय सामग्री होने पर ऐसे आदेशों का पालन करने से इनकार कर रहा है। यह बेतुका है।

मुख्यमंत्री, पूर्व प्रधानमंत्री, केन्द्रीय मंत्री अनेक वरिष्ठों ने साहित्यकार भैरप्पा को दी श्रद्धांजलि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने बुधवार को प्रसिद्ध कन्नड़ उपन्यासकार और दार्शनिक एस एल भैरप्पा के निधन पर सोशल मीडिया 'एक्स' पर शोक व्यक्त किया और उन्हें कन्नड़ साहित्य जगत का दिग्गज करार दिया। वरिष्ठ लेखक एस.एल. भैरप्पा के निधन की खबर दुखद है। मैं प्रार्थना करता हूँ कि भैरप्पा की आत्मा को शांति मिले। अपनी सहज लेखन शैली के कारण विशाल पाठक वर्ग वाले भैरप्पा के निधन से साहित्य जगत को भारी क्षति हुई है। उनके परिवार और पाठकों के प्रति मेरी संवेदनाएँ। कन्नड़ विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष डॉ. पुरुषोत्तम बिलिमाले ने साहित्यकार एसएल भैरप्पा के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि भैरप्पा कन्नड़ भाषा की बारीकियों को अच्छी तरह जानते थे। मानवीय कमज़ोरियों के प्रति उनमें करुणा थी। कन्नड़ में कोई दूसरा लेखक नहीं है जिसने काम और संतान का इतना व्यापक विश्लेषण किया हो जितना उन्होंने किया है। उनके निधन के साथ, कन्नड़ का एक महान लेखक चला गया। उन्हें अंतिम श्रद्धांजलि।

केन्द्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने प्रसिद्ध उपन्यासकार एसएल भैरप्पा के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है; उन्होंने कहा है कि उनके जाने से एक बहुत बड़ा शून्य पैदा हो गया है। पद्म भूषण एसएल भैरप्पा ने सरस्वती सम्मान से सम्मानित, एक प्रतिष्ठित उपन्यासकार जिन्होंने अपने उपन्यास 'पर्व' और 'उत्तरकांड' के माध्यम से महाभारत और रामायण को देखने और पढ़ने के हमारे नज़रिए को बदल दिया, अपने शोक संदेश में कहा कि उनके निधन की खबर सुनकर उन्हें गहरा सदमा लगा है। मैंने भैरप्पा के उपन्यासों को ध्यान से पढ़ा है। मैं उनकी कहानी कहने की शैली और चरित्र-निर्माण की प्रतिभा से अभिभूत हूँ। वे कन्नड़ भूमि में जन्मे और कन्नड़ में लिखने वाले एक सच्चे भारतीय उपन्यासकार थे। इसके अलावा, मुझे हासन जिले में जन्मे एक 'अमर प्रतिभाशाली' होने पर गर्व है। कुमारस्वामी ने दुख व्यक्त करते हुए कहा कि उनके जाने से एक बहुत बड़ा शून्य पैदा हो गया है।

पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा ने प्रसिद्ध उपन्यासकार एस.एल. भैरप्पा के निधन पर शोक व्यक्त किया है। अपने शोक संदेश में, उन्होंने कहा कि कन्नड़ साहित्य जगत के प्रख्यात लेखक, सरस्वती सम्मान और पद्म भूषण से सम्मानित डॉ. एस.एल. भैरप्पा के निधन की खबर सुनकर उन्हें गहरा दुख हुआ है। कन्नड़ साहित्य जगत को उत्कृष्ट उपन्यास देने वाले और लाखों पाठकों के दिलों को छूने वाले भैरप्पा का निधन कन्नड़ सारस्वत जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है। पूर्व मुख्यमंत्री एसआर बोम्मई, पूर्व मंत्री एवं विधायक गोपालय्या सहित अनेक वरिष्ठ गणमान्यों ने उपन्यासकार को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

प्रसिद्ध कन्नड़ उपन्यासकार भैरप्पा का निधन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

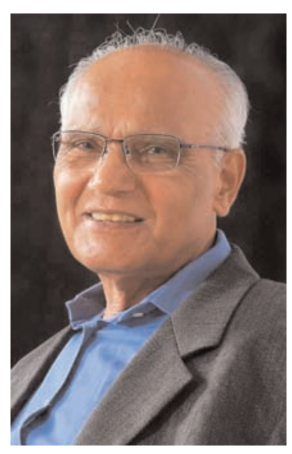

बेंगलूरु। लोकप्रिय कन्नड़ उपन्यासकार एवं दार्शनिक एस. एल. भैरप्पा का बुधवार को यहां एक निजी अस्पताल में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वह 94 वर्ष के थे। राष्ट्रोत्थान अस्पताल ने एक बयान में कहा, महान भारतीय उपन्यासकार, दार्शनिक, पद्मश्री, पद्मभूषण और सरस्वती सम्मान से सम्मानित एसएल भैरप्पा को आज अपराह्न दो बजकर 38 मिनट पर दिल का दौरा पड़ा और वह ईश्वर के चरणों में चले गए। ओम शांति!

भैरप्पा अपने लोकप्रिय उपन्यासों 'वंशवृक्ष', 'दातू', 'पर्व', 'मंदरा' आदि के लिए जाने जाते हैं। उनकी ज्यादातर रचनाओं का अंग्रेजी और अन्य भाषाओं में अनुवाद हो चुका है। उन्हें पद्म भूषण, पद्म श्री, सरस्वती सम्मान, साहित्य अकादमी सहित अन्य पुरस्कारों से सम्मानित किया गया था।

कन्नड़ उपन्यासकार भैरप्पा के निधन पर प्रधानमंत्री मोदी ने शोक जताया

बेंगलूरु/नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को प्रसिद्ध कन्नड़ उपन्यासकार और दार्शनिक एस एल भैरप्पा के निधन पर शोक व्यक्त किया और उन्हें एक ऐसा दिग्गज करार दिया जिन्होंने लोगों की अंतरआत्मा को झकझोरने के साथ-साथ 'भारत की आत्मा' को गहराई से छुआ।

मोदी ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, श्री एस.एल. भैरप्पा के निधन से, हमने एक ऐसे दिग्गज को खो दिया है, जिन्होंने हमारी अंतरात्मा को झकझोर दिया और भारत की आत्मा को छुआ। एक निडर और कालातीत विचारक, जिन्होंने अपनी विचारोत्तेजक रचनाओं से कन्नड़ साहित्य को समृद्ध किया। उनके लेखन ने पीढ़ियों को सोचने, प्रश्न करने और समाज के साथ अधिक गहराई से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। मोदी ने कहा, हमारे इतिहास और संस्कृति के प्रति उनका अटूट जुनून आने वाले दिनों में भी लोगों को प्रेरित करता रहेगा। इस दु:ख की घड़ी में उनके परिवार और प्रशंसकों के प्रति मेरी संवेदनाएं। ॐ शांति। भैरप्पा का बुधवार को बेंगलूरु के एक निजी अस्पताल में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वह 94 वर्ष के थे।

बेंगलूरु में 82.5 ग्राम सोने के आभूषण बरामद होने के बाद चोरी के आरोप में दो लोग गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में घरों में चोरी की विभिन्न घटनाओं के सिलसिले 8.25 लाख रुपये मूल्य के 82.5 ग्राम सोने के आभूषण बरामद किए जाने के बाद दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि कडुगोडी के पटलम्मा लेआउट में एक व्यक्ति ने शिकायत दर्ज कराई कि 24 अगस्त को कुछ अज्ञात व्यक्तियों ने उसके घर का ताला तोड़कर वहां से 27 ग्राम वजन के सोने के आभूषण चुरा लिए। पुलिस ने इन मामलों में गिरफ्तार आरोपियों की पहचान साझा नहीं की।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जांच के दौरान 16 सितंबर को सोराहुनासे गांव में एक व्यक्ति द्वारा अपना अपराध कबूल कर लिए जाने के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी ने बताया कि उसने पहले भी अपने एक साथी के साथ मिलकर इसी इलाके में घरों में चोरी की थी। इसके बाद आरोपी के साथी को भी उसी दिन वरथुर स्थित उसके आवास के पास से गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस अधिकारी ने कहा, इस मामले के और इससे पहले हुई चोरियों में चुराए गए आभूषणों को आरोपियों ने अपने एक दोस्त को सौंप दिया था। इसके आधार पर 17 सितंबर को पुलिस ने उनके दोस्त के कब्जे से कुल 82.5 ग्राम सोने के आभूषण बरामद किए जिनकी कीमत 8.25 लाख रुपये है। इन आरोपियों की गिरफ्तारी से चोरी के नौ मामले सुलझ गए हैं। पुलिस ने बताया कि इसी तरह के एक अन्य मामले में 29 अगस्त को कोडिगेहल्ली इलाके में एक घर में चोरी के सिलसिले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी की गिरफ्तारी के साथ ही 5.80 लाख रुपये मूल्य के 58 ग्राम सोने के आभूषण बरामद किए गए।

पटना में बुधवार को कांग्रेस की विस्तारित कार्य समिति की बैठक में भाग लेते हुए कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार।

उच्चतम न्यायालय तमिल फिल्म निर्देशक और अभिनेत्री को एक-दूसरे से माफी मांगने का निर्देश दिया

चेन्नई/नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को तमिल फिल्म निर्देशक व नेता सीमान और 2011 में उनके खिलाफ शादी का झूठा वादा करके बलात्कार करने का मामला दर्ज करवाने वाली एक अभिनेत्री को एक-दूसरे से माफी मांगने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति बी. वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ सीमान की एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें उनके खिलाफ मामला रद्द करने से इनकार के मद्रास उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती दी गई थी। शीर्ष अदालत ने दोनों पक्षों को मामले के संबंध में मीडिया या सोशल मीडिया पर कोई बयान नहीं देने का भी निर्देश दिया।

कन्नड़ उपन्यासकार एस एल भैरप्पा के निधन से गहरा दुख हुआ : राष्ट्रपति मुर्मू

बेंगलूरु/नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को प्रसिद्ध कन्नड़ उपन्यासकार एस एल भैरप्पा के निधन पर शोक व्यक्त किया और कहा कि उन्होंने साहित्य, दर्शन, संस्कृति और बौद्धिक अनुसंधान के क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दिया है। मुर्मू ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहते हुए अपने कार्यों के माध्यम से कन्नड़ साहित्य को इसकी राष्ट्रीय और वैश्विक पहचान दिलाई।

उन्होंने कहा, डॉ एस एल भैरप्पा के निधन से गहरा दुख हुआ है। वह कन्नड़ साहित्य की एक महान विभूति और पद्म भूषण से सम्मानित लेखक थे। उन्होंने साहित्य, दर्शन, संस्कृति और बौद्धिक अनुसंधान के क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दिया है। राष्ट्रपति ने कहा, उनकी विरासत आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देती रहेगी। मैं उनके परिवार, प्रशंसकों और असंख्य पाठकों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं प्रकट करती हूं।

गगनयान के लिए प्रशिक्षण जोर-शोर से जारी : अंतरिक्ष यात्री प्रशांत बी. नायर

तिरुवनंतपुरम/दक्षिण भारत । भारत के गगनयान मिशन में शामिल भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन प्रशांत बालकृष्णन नायर ने बुधवार को कहा कि इसके लिए प्रशिक्षण जोर-शोर के साथ जारी है। नायर यहां मॉडल स्कूल थाइकॉड के छात्रों से बातचीत के बाद पत्रकारों से बात कर रहे थे। नायर ने कहा कि भारत 2027 में हमारे कैप्सूल से अंतरिक्ष में अपना पहला व्यक्ति भेजेगा, लेकिन उससे पहले कई परीक्षण किए जाने बाकी हैं। उन्होंने कहा कि पहले एक रोबोट 'व्योम मित्र' को परीक्षण के तहत भेजा जाएगा और फिर कई अन्य मिशन होंगे। उन्होंने कहा, ''यह एक सतत कार्यक्रम होगा और इसका केंद्र तिरुवनंतपुरम और बेंगलूरु के बीच होगा।'' मिशन के प्रशिक्षण के बारे में उन्होंने कहा कि यह जोर-शोर के साथ जारी है और पूरी गगनयान टीम भारत सरकार, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और वायु सेना के ऋणी है, जिन्होंने उनका चयन किया और उन्हें प्रशिक्षित किया। ग्रुप कैप्टन प्रशांत बालकृष्णन नायर, ग्रुप कैप्टन अंगद प्रताप, ग्रुप कैप्टन अजित कृष्णन और विंग कमांडर शुभांशु शुक्ला गगनयान दल के चार सदस्य हैं।

स्कूली बच्चों के साथ अपनी बातचीत के बारे में उन्होंने इसे एक अच्छा अनुभव बताया। ग्रुप कैप्टन प्रशांत बालकृष्णन नायर ने कहा कि उन्होंने बच्चों से गगनयान मिशन और उसके प्रशिक्षण के बारे में बात की। इसरो के अनुसार, गगनयान कार्यक्रम का उद्देश्य तीन दिनों के लिए पृथ्वी की निचली कक्षा में मानवयुक्त अंतरिक्ष यान प्रक्षेपित करने की भारत की क्षमता का प्रदर्शन करना है।

जैन रिसोर्स रीसाइक्लिंग के आईपीओ को पहले दिन 73 प्रतिशत अभिदान मिला

चेन्नई। जैन रिसोर्स रीसाइक्लिंग लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को बुधवार को बोली के पहले दिन 73 प्रतिशत अभिदान मिला। एनएसई के आंकड़ों के अनुसार, आईपीओ को 3,12,49,999 शेयरों की पेशकश के मुकाबले 2,27,44,384 शेयरों के लिए बोलियां मिलीं। पात्र संस्थागत खरीदारों (क्यूआईबी) के लिए कोटा को 1.11 गुना अभिदान प्राप्त हुआ।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें
दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक
www.dakshinbharat.

दक्षिण पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना सं: Y-E-29-2025-26-47
दिनांक: 17.09.2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
बीरूर यार्ड में रोड-4 पर मौजूदा साईडिंग को विस्तार करते हुए कडूरु (डीआरयू) अंत की ओर पर 750 मी. का शंटिंग नेक का प्रावधान के तहत ओएचई पर संशोधन कार्य।	रु. 1,35,88,768.75

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 09.10.2025, 11:00 बजे तक
विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में
वरिष्ठ विभागीय इलेक्ट्रिकल इंजीनियर/सामान्य/मैसूरु
PUB/501/AAMO/PRB/SWR/2025-26
अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

दक्षिण पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना सं: Y-E-29-2025-26-46
दिनांक: 17.09.2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
बानसंद्रा एसपी पर पीटीएफई शिफ्टिंग, चित्रदुर्ग और शिवमोग्गा पर सैक्रिफिशियल मास्ट का प्रावधान और चिक्कजाजूर-रायदुर्ग विभाग में रिट्रो-रिफ्लेक्टीव नंबर प्लेटों का प्रावधान।	रु. 28,71,828.83

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 09.10.2025, 11:00 बजे तक
विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में
वरिष्ठ विभागीय इलेक्ट्रिकल इंजीनियर/सामान्य/मैसूरु
PUB/500/AAMO/PRB/SWR/2025-26
अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

दक्षिण पश्चिम रेलवे

ई-(आईआरईपीएस) निविदा सूचना सं: 02/Bridges/UBL/2025-26 दिनांक: 18.09.2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
उप कार्य-1: हुबली विभाग:	रु. 1,36,68,083.32

एसएसई/ब्रिज/हुबली और एसएसई/ब्रिज/बेलगावी क्षेत्राधिकार के तहत 2024-25 और 2025-26 साल में देय पुलों का पेंटिंग और ग्रीसिंग कार्य। **उप कार्य-2: हुबली विभाग:** सहायक विभागीय इंजीनियर/ब्रिज/हुबली क्षेत्राधिकार के अंतर्गत एसएसई/ब्रिज/हुबली क्षेत्राधिकार पर हुबली - गदग (यूबीएल-जीडीजी) विभाग में ब्रिज सं. 10, ब्रिज सं. 13, ब्रिज सं. 25, गदग - होसपेटे (जीडीजी-एचपीटी) विभाग में ब्रिज सं. 63, होसपेट - बल्लारी (एचपीटी-बीएवाई) विभाग में ब्रिज सं. 206, गदग-होटगी (जीडीजी-एचजी) विभाग में ब्रिज सं. 08 और एसएसई/ब्रिज/बेलगावी विभाग में देवरायी - शिवाठाण (डीईवी-एसवीटीएन) स्टेशनों के बीच किमी. 553/700-800 पर ब्रिज सं. 91 डाऊन (3x12.20 मी. पीएससी गिर्डर्स, पांडा नदी) पर एलास्टोमेरिक बीयरिंग का प्रतिस्थापन का प्रस्तावन।

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 16.10.2025, 11:00 बजे तक
विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में
वरिष्ठ विभागीय इंजीनियर/समन्वय हुबली
PUB/504/AAMO/PRB/SWR/2025-26
अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

‘राष्ट्र प्रथम’ नारा नहीं देश प्रेम से जुड़ी भावना : बागड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने राष्ट्र को सर्वोपरि रखते हुए सब मिलकर कार्य करने की जरुरत बताते हुए कहा है कि ’राष्ट्र प्रथम’ नारा नहीं, देश प्रेम से जुड़ी भावना और विचार है। बागड़े बुधवार को विकसित भारत संकल्प सम्मेलन में ’राष्ट्र प्रथम’ अंतरराष्ट्रीय विचार गोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अमेरिका भारत को दबाव में लाने के लिए निरंतर प्रपंच रच रहा है, पर अमेरिका के पास अपनी प्रतिभाएं नहीं है। वहां जो प्रतिभाशाली लोग काम करते हैं, वे 70 से 80 प्रतिशत भारत के हैं। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में देश में परमाणु परीक्षण हुआ। उन्होंने कहा कि जब पाकिस्तान ने देश को धमकी दी तो उन्होंने कहा था कि पाकिस्तान हमारे देश का यदि एक चौथाई हिस्सा भी बाधित करेगा तो हम पाकिस्तान को दूसरे दिन का सूर्य नहीं देखने देंगे। यही राष्ट्र प्रथम की सोच है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्र प्रथम की भावना यही है कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तेजी से बड़े फैसले लिए जा रहे हैं। देश में 25 करोड़ लोगों का जन धन खाता बैंकों में खोला गया हैं। ऐसा कहीं और नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि ’राष्ट्र प्रथम’ का भाव यही है कि देश में आजादी के 47 साल बाद कश्मीर के लाल चौक में तिरंगा झंडा फहराया गया। यही ’राष्ट्र प्रथम’ है कि हमारा देश तेजी से विकसित भारत बन रहा है। उन्होंने देश में सभी क्षेत्रों में हो रहे विकास की चर्चा करते हुए कहा कि आज भारत दुग्ध उत्पादन में प्रथम स्थान पर, गेहूं उत्पादन में दूसरे स्थान पर है और अर्थव्यवस्था ग्यारह से चौथे नंबर पर आ गई है। यही राष्ट्र प्रथम की सोच है। उन्होंने कहा कि देश की आबादी के अंतर्गत 280 करोड़ हाथ राष्ट्र विकास के लिए कार्य करे। बागड़े ने इस अवसर पर लोकमाता अहिल्याबाई होलकर को समर्पित पुस्तक ’कर्म गाथा’ का लोकार्पण किया। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि राष्ट्र अपने आप में विचार और जीवंत दर्शन है। उन्होंने राष्ट्र प्रथम के अंतर्गत भारतीय उत्पादों का ही सबको उपयोग करने का आह्वान किया। उन्होंने सभी को अपनी निर्धारित जिम्मेदारी पूरा करने के लिए सदा तत्पर रहने, राष्ट्र को सर्वोपरि रखते कार्य किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने विद्यालयों के पाठ्यक्रम, वहां के शिक्षकों में भी राष्ट्रीय भाव पैदा करने और संस्कार निर्माण की शिक्षा दिए जाने की आवश्यकता जताई।

उन्होंने देश में प्राप्त शिक्षा का उपयोग देश के लिए ही किए जाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारत तेजी से विकास की ओर अग्रसर हो रहा है। विकसित राष्ट्र नहीं चाहते कि देश आगे बढ़े। उन्होंने सभी को मिलकर भारत के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत विश्वगुरु था नहीं है और विश्वगुरु आगे भी रहेगा।

राजस्थान में 2021 एसआई पेपर लीक मामले में तीन परिवीक्षाधीन उपनिरीक्षक गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के विशेष अभियान समूह (एसओजी) ने तीन परिवीक्षाधीन उपनिरीक्षकों (एसआई) को 2021 की एसआई भर्ती परीक्षा लीक प्रश्नपत्रों की मदद से उत्तीर्ण करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। यह जानकारी अधिकारियों ने बुधवार को दी। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एटीएस और एसओजी) वी के सिंह ने बताया कि गिरफ्तार व्यक्तियों की पहचान जयपुर ग्रामीण के त्योडा गांव निवासी 26 वर्षीय परमेश चौधरी, राज्य के जालौर जिले के सेदियां गांव निवासी 25 वर्षीय मनोहर सिंह और जालौर जिले के भीनमाल क्षेत्र के पुनासा गांव निवासी 26 वर्षीय मनोहर लाल के तौर पर हुई है। उन्होंने बताया कि परमेश चौधरी, मनोहर सिंह और मनोहर लाल क्रमश: टोंक पुलिस लाइन, कोटा पुलिस लाइन और सिरोही पुलिस लाइन में तैनात थे। सिंह ने बताया कि आरोपियों ने परीक्षा से पहले परीक्षा माफिया द्वारा लीक किए गए हल प्रश्न पत्रों का कथित तौर पर अध्ययन किया था।

एडीजी ने बताया कि चौधरी का चयन मेरिट रैंक 180, सिंह का मेरिट रैंक 38 और लाल का मेरिट रैंक 171 पर हुआ था। पुलिस ने बताया कि तीनों को 23 सितंबर को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि इस मामले में अब तक 59 उप निरीक्षक समेत 130 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

डम्पर से मोटर साइकिल टकराने से तीन युवकों की मौत

बीकानेर/दक्षिण भारत । राजस्थान में बीकानेर के व्यास कॉलोनी थाना क्षेत्र में मंगलवार रात सड़क दुर्घटना में मोटरसाइकिल पर सवार तीन युवकों की मौत हो गयी है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि तीन लोग मोटरसाइकिल से जा रहे थे तभी अचाना जयपुर- जोधपुर बाइपास सर्किल पर मोटरसाइकिल एक ट्रक से आगे निकलने के प्रयास में विपरीत दिशा से आ रहे डम्पर से टकरा गयी।

आमने सामने की टक्कर से तीनों की युवकों की मौके पर ही मौत हो गयी। पुलिस ने बताया कि मृतकों पहचान राजू मेघवाल, महेश मेघवाल और धमाराम मेघवाल के रूप में हुई है। तीनों के शव पीबीएम अस्पताल के शव गृह में रखवाये गये है। आज सुबह पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिये गये।

दिया कुमारी ने जीएसटी सुधार को लेकर व्यापारियों से किया संवाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने बुधवार को अजमेर जिले में किशनगढ़ के मुख्य बाजार में दौरा कर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधार को लेकर दुकानदारों और व्यापारियों से मुलाक़ात कर जीएसटी दरों में की गई कटौती के बारे में लोगों की प्रतिक्रिया जानी और उन्हें सरकार की ओर से मिल रही राहत की जानकारी दी। श्रीमती दिया कुमारी ने बाजार की दुकानों पर जाकर व्यापारियों से संवाद किया। व्यापारियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताते हुए कहा कि इस बार दिवाली से पहले ही दिवाली का तोहफा मिल गया है। जीएसटी में राहत से न केवल व्यापार को फायदा हुआ है बल्कि आम जनता को भी महंगाई से राहत मिली है।

उन्होंने कहा कि जीएसटी में हुए बदलावों से आम लोगों की जेब पर सीधा असर पड़ा है। त्योहारी सीजन में घरेलू और आवश्यक वस्तुओं पर टैक्स में कटौती से लोग खुश हैं। सरकार का उद्देश्य है कि जनता को आर्थिक रूप से राहत मिले और बाजार में रौनक बनी रहे। इस दौरान उपमुख्यमंत्री ने दुकानदारों को गुलाब का फूल भेंट कर उन्हें टैक्स में दी गई राहत की जानकारी दी और जीएसटी बचत उत्सव के तहत जागरूकता अभियान का हिस्सा बनने का आग्रह किया। इस अवसर पर उन्होंने व्यापारियों से स्वदेशी वस्तुओं को प्राथमिकता देने की अपील करते हुए कहा हमें अपने प्रतिष्ठानों में स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देना चाहिए। इससे न केवल स्थानीय व्यापार मजबूत होगा बल्कि भारत को आत्मनिर्भर और विकसित बनाने के अभियान में भी हम योगदान देंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ’विकसित भारत’ के विजन को साकार करने के लिए हम सभी को मिलकर काम करना होगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राजस्थान में विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे, परमाणु संयंत्र की आधारशिला रखेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बृहस्पतिवार को राजस्थान के बांसवाड़ा दौरे में कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे और आधारशिला रखेंगे, जिनमें 42,000 करोड़ रुपये की लागत वाला माही-बांसवाड़ा परमाणु संयंत्र भी शामिल है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि ये परियोजनायें ऊर्जा, जल, आधारभूत ढांचा, स्वास्थ्य एवं शहरी विकास जैसे प्रमुख क्षेत्रों से जुड़ी हुई है। अधिकारियों ने बताया कि शुरू की जाने वाली परियोजनाओं में प्रस्तावित 2,800 मेगावाट की परमाणु सुविधा सबसे महत्वपूर्ण है क्योंकि यह राज्य की ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में बढ़ने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

अन्य परियोजनाओं में बीकानेर में 8,500 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित होने वाली 590 मेगावाट की अक्षय ऊर्जा परियोजना, जैसलमेर, बाड़मेर, सिरोही, नागौर और बीकानेर में 13,183 करोड़ रुपये की लागत से बिछाई जाने वाली 15.5 गीगावाट की उच्च क्षमता वाली विद्युत पारेषण लाइनें शामिल हैं। उन्होंने बताया कि बांसवाड़ा, उदयपुर, डूंगरपुर, सीकर और अजमेर सहित 11 जिलों में 5,884 करोड़ रुपये की लागत से पंद्रह नयी पेयजल आपूर्ति परियोजनायें, दो नए फ्लाईओवर का निर्माण, बनास नदी पर एक पुल, भरतपुर में अटल प्रगति पथ योजना के तहत 119 सड़कें और बीकानेर व जैसलमेर में तीन नए ग्रिड सबस्टेशन बनाए जायेंगे।

अधिकारियों ने कहा कि प्रधानमंत्री कई पूरी हो चुकी परियोजनाओं का भी उद्घाटन करेंगे, जिनमें फलौदी में 1,400 मेगावाट और 925 मेगावाट क्षमता के संयुक्त सौर ऊर्जा संयंत्र, पीएम-कुसुम-सी योजना के तहत 3,132 करोड़ रुपये की लागत से

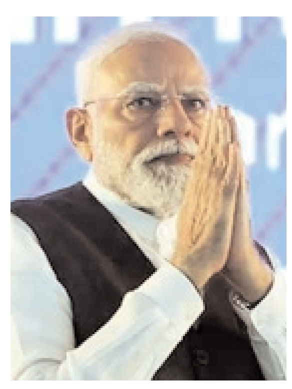

निर्मित 895 मेगावाट क्षमता के विकेन्द्रीकृत सौर ऊर्जा संयंत्र, ईसरदा बांध, धौलपुर लिफ्ट योजना और अन्य क्षेत्रीय सिंचाई परियोजनाएँ, बाड़मेर, अजमेर, ब्यावर, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, राजसमंद और उदयपुर में सात सड़क परियोजनाएँ, 20,833 करोड़ रुपये की एक जल संसाधन परियोजना आदि शामिल हैं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री इस दौरान वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन - बीकानेर से दिल्ली कैंट और जोधपुर से दिल्ली कैंट के अलावा उदयपुर-चंडीगढ़ एक्सप्रेस को भी हरी झंडी दिखाएंगे। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, विभिन्न विभागों में रोज़गार सृजन के सरकारी अभियान के तहत 15,000 युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए जायेंगे।

अधिकारी ने बताया, कुल मिलाकर, कार्यक्रम में 1.22 लाख करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया जाएगा, जिनमें से अकेले राजस्थान को 1,08,468 करोड़ रुपये की परियोजनायें मिलेंगी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अधिकारियों को कार्यक्रम की सभी तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए। वह बुधवार को बांसवाड़ा में कार्यक्रम स्थल का दौरा कर तैयारियों का जायजा लेंगे। कार्यक्रम से पहले, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने मंगलवार को बांसवाड़ा में घर-घर जाकर प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के लिए पारंपरिक निमंत्रण के रूप में ‘पीले चावल’ बांटे। राठौड़ ने कहा कि बांसवाड़ा की परमाणु परियोजना राजस्थान के लिए एक ऐतिहासिक पहल साबित होगी। उन्होंने कहा, यह परियोजना न केवल राज्य के लिए ऊर्जा स्वतंत्रता सुनिश्चित करेगी, बल्कि स्थानीय पर्यटन, रोजगार और आर्थिक विकास को भी बढ़ावा देगी।

विपक्ष पर निशाना साधते हुए, राठौड़ ने पिछली कांग्रेस सरकार पर कुशासन और जनता की चिंताओं का समाधान करने में विफल रहने का आरोप लगाया। उन्होंने यह भी दावा किया कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जनसेवा की बजाय राजनीतिक नाटक को प्राथमिकता दी। इससे पहले, गहलोत ने मोदी से उदयपुर में 2022 में हुए कन्हैया लाल हत्याकांड की जाँच में धीमी प्रगति पर बोलने का अनुरोध किया था, जिसकी जांच एनआईए कर रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री से आदिवासी बहुल बांसवाड़ा जिले के दौरे के दौरान जिले के मानगढ़ धाम को राष्ट्रीय स्मारक का दर्जा देने की भी मांग की।

शहरी सेवा शिविर बन रहे जनकल्याण का सशक्त माध्यम : जोराराम कुमावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रदेशभर में शहरी सेवा शिविर आमजन के जीवन में सकारात्मक बदलाव का प्रतीक बन रहे हैं। जिला प्रभारी मंत्री जोराराम कुमावत एवं किसान आयोग अध्यक्ष सी. आर. चौधरी ने बुधवार को बालोतरा नगर परिषद के वार्ड संख्या 11, 12, 13 में लगें शिविरों का निरीक्षण कर आमजन से संवाद स्थापित कर पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का हाथों-हाथ लाभ प्रदान किया।

आर्यवीर समाज मैदान में लगे शहरी सेवा शिविरों में कुमावत ने व्यवस्थाओं का जायजा लेकर आवश्यक निर्देश प्रदान किए। उन्होंने सभी स्टॉल पर जाकर विभागों द्वारा दी जा रही सुविधाओं के बारे में विस्तार से जानकारी ली और आमजन को योजनाओं के बारे में अधिकाधिक जागरूक कर लाभान्वित करने को कहा।

उन्होंने आमजन की समस्याएं सुनीं और मौके पर ही स्ट्रीट लाइट, जन्म प्रमाण पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र,पेंशन,जनाधार,सफाई एवं आवारा पशु संबंधित प्रकरणों के निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिविरों में जिला प्रशासन, नगरीय निकायों के अधिकारी-कर्मचारी, स्थानीय जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी से यह अभियान और अधिक प्रभावी बन रहा है। कार्मिक इस कार्य में किसी प्रकार की कोताही नहीं बरतें।

शिविर में ई-मित्र द्वारा निर्धारित दर से अधिक राशि वसूल करने की शिकायत पर प्रभारी मंत्री कुमावत ने लाइसेंस निरस्त करने के निर्देश दिये। उन्होने नगर परिषद अधिकारी को निर्देशित किया कि शिविर में पट्टों को लेकर किये जा रहे आवेदनों का तुरंत निस्तारण करें, यदि उसी दिन संभव न हो तो आगामी शिविर में पट्टों का वितरण सुनिश्चित करें।उन्होने नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में शिविरों में भाग लेकर सरकार की योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में सरकार का उद्देश्य केवल घोषणा तक सीमित नहीं है बल्कि ‘जनसेवा को जनआंदोलन’ में बदलना है। एक ही स्थान पर जनता के विभिन्न कार्य हो रहे हैं। उन्होंने निर्देशित किया कि आमजन के परिवादों का संवेदनशील होकर सजगता से निस्तारण करे, गरीब, मध्यमवर्ग, किसान, महिला व अंतिम छोर तक खड़े हर पात्र तक योजनाओं का लाभ पहुंचाएं।

प्रभारी मंत्री किसान आयोग अध्यक्ष सी. आर. चौधरी ने शिविर में पीएम आवास योजना (2.0) के अन्तर्गत 11 लाभार्थियों को 50 हजार रूपये की प्रथम किश्त के प्रतीकात्मक चैक, 11 लाभार्थियों को पट्टे, 4 लाभार्थियों को प्रधानमंत्री मातृ पोषण योजना तथा 8 लाभार्थियों को प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना से लाभान्वित करते हुए चैक वितरित किए।

सामाजिक सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रवासी राजस्थानियों को किया जाएगा सम्मानित : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर प्रवासी राजस्थानी दिवस के लोगो का अनावरण किया। मुख्यमंत्री ने गत वर्ष दिसम्बर में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के दौरान हर वर्ष 10 दिसम्बर को प्रवासी राजस्थानी दिवस मनाने की घोषणा की थी। इसी क्रम में इस साल प्रथम प्रवासी राजस्थानी दिवस का आयोजन जयपुर में 10 दिसम्बर को किया जाएगा। इस दिवस को सफल बनाने की दिशा में 26 सितंबर को हैदराबाद में मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में प्रवासी राजस्थानी मीट का आयोजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने हैदराबाद में होने वाली प्रवासी राजस्थानी मीट की तैयारियों को लेकर आयोजित बैठक में अधिकारियों को कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। शर्मा ने कहा कि इस आयोजन से प्रवासी राजस्थानियों, निवेशकों एवं सरकारी प्रतिनिधियों को एक साझा मंच मिलेगा, जिससे आपसी संबंध और मजबूत होंगे तथा औद्योगिक सहयोग व निवेश की नई संभावनाएं बनेगी। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि अधिक से अधिक प्रवासी राजस्थानी इसमें भागीदारी कर सकें। शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार प्रदेश में उद्यमियों को प्रोत्साहन देने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राज्य सरकार की योजनाओं, कार्यक्रमों, नवाचारों, औद्योगिक तथा निवेश नीतियों की जानकारी प्रवासी राजस्थानियों को दी जाएं, ताकि वे प्रदेश में निवेश कर राज्य के विकास में साझेदार बन सकें। बैठक में बताया गया कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य सरकार के प्रतिनिधिमण्डल की उद्यमियों से मीटिंग की जाएगी। साथ ही, कार्यक्रम में सामाजिक सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रवासी राजस्थानियों को सम्मानित भी किया जाएगा।

विभागीय अधिकारियों ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से हैदराबाद में आयोजित होने वाले प्रवासी राजस्थानी मीट की तैयारियों को लेकर जानकारी दी। इस अवसर पर संबंधित विभाग के अधिकारीगण मौजूद रहे।

भजनलाल की व्यापारियों से उपभोक्ताओं तक जीएसटी दरों में कटौती का पूरा लाभ पहुंचाने की अपील

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने व्यापारी और दुकानदारों से उपभोक्ताओं तक वस्तु एवं सेवाकर (जीएसटी) दरों में कटौती का पूरा लाभ पहुंचाने की अपील है। शर्मा ने अपने वीडियो संदेश में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार ने जीएसटी स्लैब में सरलीकरण करते हुए दरों में कमी की है। इस कमी का लाभ प्रदेश के ज्यादा से ज्यादा लोगों को मिले, इसके लिए राज्य सरकार 22 से 29 सितंबर तक ’जीएसटी बचत उत्सव’ का आयोजन कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने स्वतंत्रता दिवस पर जीएसटी सरलीकरण की घोषणा की थी। जिसके अनुसार गत 22 सितंबर से देश में अब जीएसटी की मुख्य रूप से दो दरें पांच और 18 प्रतिशत प्रभावी हो गई हैं। इस निर्णय से दैनिक जरूरत की वस्तुओं में भारी कमी आई है। उन्होंने कहा कि गरीब, किसान, मध्यम वर्ग, व्यापारी और उद्योग जगत सहित सभी वर्ग इस सरलीकरण लाभान्वित होंगे और उन्हें आर्थिक संबल मिलेगा।

कन्हैया लाल के परिवार को न्याय में देरी पर बयान दें मोदी : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मंगलवार को कहा कि 25 सितंबर को राज्य के दौरे पर आ रहे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को मृतक दर्जी कन्हैया लाल के परिवार को न्याय मिलने में हो रही देरी पर बयान देना चाहिए। उदयपुर में 2022 में कन्हैया लाल की दुकान के अंदर चाकूधारी दो लोगों ने कथित तौर पर उनकी हत्या कर दी थी। लाल पर आरोप था कि उन्होंने इस्लाम का अपमान किया था। जयपुर में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए गहलोत ने अपना आरोप दोहराया कि मुख्य आरोपी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से जुड़े हुए हैं।

उन्होंने कहा, यह एक रहस्य है कि राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) द्वारा जांच किए जाने के बावजूद मामले में कोई उल्लेखनीय प्रगति क्यों नहीं हुई है। प्रधानमंत्री को अपने बांसवाड़ा दौरे के दौरान कन्हैया लाल के परिवार को न्याय में देरी पर बयान देना चाहिए। इस घटना के समय गहलोत मुख्यमंत्री थे और हत्या के कुछ ही घंटों बाद दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया था जिसके बाद भी मामला एनआईए को सौंप दिया गया। उन्होंने कहा कि आरोपियों की गिरफ्तारी, परिवार को 50 लाख रुपये का मुआवजा और मृतक के दोनों बेटों को सरकारी नौकरी दिए जाने के बावजूद भाजपा ने तत्कालीन कांग्रेस सरकार को बदनाम किया।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बिहार में 104 किमी लंबी रेलवे लाइन के दोहरीकरण को मंजूरी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने चुनावी राज्य बिहार में 104 किलोमीटर लंबी रेलवे लाइन (बख्तियारपुर-राजगीर-तिलैया एकल लाइन खंड) के दोहरीकरण को मंजूरी दे दी है। इस काम पर करीब 2,192 करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को इस निर्णय की घोषणा करते हुए कहा कि यह परियोजना बिहार के चार जिलों को कवर करेगी और भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क में लगभग 104 किलोमीटर की वृद्धि करेगी। इस साल के अंत में बिहार में विधानसभा चुनाव होने हैं।

वैष्णव ने कहा कि दोहरीकरण से राजगीर (शांति स्तूप), नालंदा, पावापुरी जैसे प्रमुख स्थलों को भी रेल संपर्क की सुविधा मिलेगी जिससे देश भर से तीर्थयात्री और पर्यटक आएंगे।

सरकारी की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है, मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाओं से लगभग 1,434 गांवों और लगभग 13.46 लाख आबादी, और दो आकांक्षी जिलों (गया और नवादा) तक संपर्क बढ़ेगा।

इसमें कहा गया है कि यह कोयला, सीमेंट, क्लिंकर, फ्लाई ऐश जैसी वस्तुओं के परिवहन के लिए एक आवश्यक मार्ग है। क्षमता

वृद्धि कार्यों के परिणामस्वरूप 26 एमटीपीए (प्रति वर्ष मिलियन टन) अतिरिक्त माल यातायात होगा।

इसके पर्यावरणीय लाभों को रेखांकित करते हुए बयान में कहा गया है, रेलवे, परिवहन का एक पर्यावरण-अनुकूल और ऊर्जा-कुशल साधन होने के नाते, जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने और देश की रसद लागत को कम करने, तेल आयात (पांच करोड़ लीटर) को कम करने और कार्बन डाइऑक्साइड के उत्सर्जन (24 करोड़ किलोग्राम) को कम करने में मदद करेगा, जो एक करोड़ पेड़ लगाने के बराबर है।

बयान में कहा गया है कि रेल पटरी की क्षमता में बढ़ोतरी से गतिशीलता में सुधार होगा, जिससे भारतीय रेलवे की दक्षता और सेवा संबंधी विश्वसनीयता बढ़ेगी। बयान में इस घोषणा के साथ बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने पर प्रकाश डालते हुए कहा गया, मल्टी-ट्रैकिंग प्रस्ताव परिचालन को आसान बनाएगा और भीड़भाड़ को कम करेगा, जिससे देशभर में भारतीय रेलवे के सबसे व्यस्त खंडों पर बहुत जरूरी बुनियादी ढांचा संबंधी विकास होगा।

इसमें कहा गया है, ये परियोजनाएं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नए भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप हैं, जो क्षेत्र में व्यापक विकास के माध्यम से क्षेत्र के लोगों को 'आत्मनिर्भर' बनाएंगी जिससे उनके रोजगार/स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

रेलवे अधिकारियों ने बताया कि इन परियोजनाओं की योजना 'पीएम-गति शक्ति नेशनल मास्टर प्लान' के तहत बनाई गई है, जिसका उद्देश्य एकीकृत योजना और हितधारकों से परामर्श के माध्यम से 'मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी' और रसद दक्षता को बढ़ाना है।

धर्म परिवर्तन अवैध तो दंपति को शादीशुदा नहीं माना जा सकता: उच्च न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रयागराज/भाषा। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने एक मामले में कहा है कि एक बार धर्म परिवर्तन अवैध होने पर धर्मांतरण के बाद शादी करने वाले युगल को कानून की नजर में शादीशुदा जोड़े के तौर पर नहीं माना जा सकता।

न्यायमूर्ति सौरभ श्रीवास्तव ने मोहम्मद बिन कासिम उर्फ अकबर नाम के एक व्यक्ति और अन्य द्वारा दायर याचिका पर यह आदेश पारित किया। याचिकाकर्ता ने अदालत से प्रतिवादियों को उनके शांतिपूर्ण वैवाहिक जीवन में दखल नहीं देने का निर्देश देने का अनुरोध किया था। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने बताया कि मोहम्मद बिन कासिम मुस्लिम समुदाय से आता है, जबकि जैनब परवीन उर्फ चंद्रकांता हिंदू धर्म से है। चंद्रकांता ने 22 फरवरी, 2025 को इस्लाम स्वीकार कर लिया और उसी दिन खानकाहे आलिया अरिफिया द्वारा इसका प्रमाण पत्र जारी किया गया था। उन्होंने कहा कि 26 मई, 2025 को मोहम्मद बिन कासिम ने जैनब परवीन उर्फ चंद्रकांता से मुस्लिम रीति रिवाज से निकाह किया और संबंधित काजी द्वारा विवाह प्रमाण पत्र भी जारी किया गया। हालांकि, अपर मुख्य स्थायी अधिवक्ता ने इस आधार पर याचिका का विरोध किया कि कथित तौर पर खानकाहे आलिया अरिफिया द्वारा जारी धर्मांतरण प्रमाण पत्र फर्जी है क्योंकि जामिया अरिफिया, कौशांबी के सचिव/प्रबंधक सैयद सरवान द्वारा बताया गया कि 22 फरवरी, 2025 को उनके संस्थान द्वारा कभी कोई प्रमाण पत्र जारी नहीं किया गया है। अदालत ने कहा, संबंधित पक्षों के वकीलों की दलीलें सुनने और संपूर्ण रिकॉर्ड पर गौर करने के बाद एक बात एकदम साफ है कि फर्जी दस्तावेज के आधार पर धर्मांतरण, उप्र गैर कानूनी धर्मांतरण अधिनियम में उल्लिखित आवश्यक तत्वों में से किसी का निर्धारण नहीं कर सकता। अदालत ने कहा, दोनों पक्षों के बीच ऐसी शादी कानून की नजर में भी कहीं नहीं टिकती क्योंकि मुस्लिम कानून के मुताबिक, शादी इस्लाम को मानने वालों के बीच एक अनुबंध है। एक बार धर्म परिवर्तन अवैध होने पर कानून की नजर में उस दंपति को शादीशुदा दंपति के तौर पर नहीं माना जा सकता। हालांकि, अदालत ने कहा कि दोनों याचिकाकर्ताओं (मोहम्मद बिन कासिम और चंद्रकांता) विशेष विवाह अधिनियम के तहत विवाह करने के पात्र हैं जिसके लिए धर्म परिवर्तन की जरूरत नहीं है।

हाल के दशकों में गंगा नदी 'अभूतपूर्व' रूप से सूखी है: अध्ययन

नई दिल्ली/भाषा। गंगा नदी के जल प्रवाह के 1300 वर्ष के रुझानों के विश्लेषण पर आधारित एक अध्ययन में कहा गया है कि पिछले कुछ दशकों में इस नदी में जलधारा सूखने की जो प्रवृत्ति देखी गई है वह इस नदी घाटी में जीवन बसर कर रहे लाखों लोगों पर भीषण और अभूतपूर्व प्रभाव डाल सकती है। राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी की पत्रिका 'प्रोसीडिंग्स' में प्रकाशित निष्कर्षों में कहा गया है कि जलधारा सूखने की जैसी प्रवृत्ति '1991 से 2020 तक देखने को मिली वैसी पिछली सहस्राब्दी से पहले देखने को नहीं मिली।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर और अमेरिका के एरिजोना विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने गंगा के सूखने का संबंध दक्षिण-पश्चिम मानसून (जून-सितंबर) के दौरान कम वर्षा से जोड़ा है। दल ने 1991-2020 के दौरान उपकरणों, ऐतिहासिक अभिलेखों और जल प्रवाह के मॉडल के माध्यम से एकत्र किए गए आंकड़ों का उपयोग किया, और पिछले 1,300 वर्षों (700-1990 ई.) के जल प्रवाह मॉडल का पुनर्निर्माण किया। अध्ययन के लेखकों ने कहा, 60 करोड़ से अधिक लोगों के लिए महत्वपूर्ण गंगा नदी घाटी में (जलधारा के प्रवाह में) गंभीर और अभूतपूर्व कमी की प्रवृत्ति देखी जा रही है, जिससे जल और खाद्य सुरक्षा को खतरा पैदा हो रहा है। दल ने पाया कि 1990 के दशक से गंगा नदी जल प्रवाह के सूखने की जो प्रवृत्ति लगातार लम्बे काल से देखी गई इसकी तुलना 16वीं शताब्दी में इसी तरह जलधारा सूखने से की जा सकती है किंतु मौजूदा प्रवृत्ति पिछली प्रवृत्ति की तुलना में 76 प्रतिशत अधिक विकट है।

जब आसमान में सूरज चमक रहा हो, तो इसकी घोषणा करने की जरूरत नहीं : खेड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा ने बुधवार को संकेत दिया कि बिहार विधानसभा चुनाव में पार्टी को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव को 'इंडिया' गठबंधन के मुख्यमंत्री पद का चेहरा बनाए जाने पर कोई आपत्ति नहीं है, हालांकि उन्होंने इसका औपचारिक एलान करने से परहेज किया।

कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक के इतर पार्टी के प्रचार एवं मीडिया विभाग के प्रमुख खेड़ा ने पत्रकारों से बातचीत की।

जब उनसे महागठबंधन की ओर से यादव को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित करने में कांग्रेस की झिझक को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, हम मुद्दों पर चुनाव लड़ रहे हैं। चेहरे आपके सामने हैं। सबको सब पता है। आप एक ऐसा सवाल पूछ रहे हैं जिसका जवाब पहले से ही सभी जानते हैं।

साल 2020 में यादव को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित करने के कांग्रेस के फैसले का हवाला देते हुए जब उनसे पूछा गया कि इस बार ऐसा क्यों नहीं किया गया तो उन्होंने काव्यात्मक अंदाज में कहा, जब आसमान में सूरज चमक रहा हो तो उसकी घोषणा की आवश्यकता नहीं होती। भाजपा नीत राजग नेताओं, खासकर केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान के इस दावे को भी खेड़ा ने खारिज कर दिया कि पटना में सीडब्ल्यूसी की बैठक का आयोजन कांग्रेस की अपने सहयोगियों पर दवाब बनाने की कवायद है। उन्होंने कहा, भाइयों के बीच ताकत दिखाने जैसी कोई बात नहीं होती। सीट बंटवारे के सवाल पर खेड़ा ने कहा, जल्द ही सारी जानकारी साझा की जाएगी।

बिहार में 'इंडिया' गठबंधन में राजद के अलावा भाकपा (माले) लिबरेशन, भाकपा (माले), भाकपा और पूर्व मंत्री मुकेश सहनी की विकासशील इंसान पार्टी शामिल हैं।

पत्रकारों ने जब यह पूछा कि स्वतंत्रता के बाद यह पहला मौका है जब बिहार में सीडब्लूसी की बैठक हो रही है, तो कांग्रेस नेता ने पलटवार किया, पहली बार वोट चोरी भी हुई है।

खेड़ा ने आरोप लगाया, भारतीय जनता पार्टी सत्ता में बने रहने के प्रति सिर्फ इसलिए आश्वस्त रहती है क्योंकि वह वोट चोरी करती है। सत्ता पक्ष का यह अहंकार बेरोजगारी जैसी गंभीर समस्याओं के प्रति लापरवाही का कारण बन गया है। उन्होंने जोर देकर कहा, सीडब्ल्यूसी की यह बैठक बिहार के चुनावों की दृष्टि से नहीं बल्कि हमारे लोकतंत्र की नींव को मजबूत करने के लिए है।

डबल इंजन सरकार में एक इंजन भ्रष्टाचार और दूसरा अपराध, राजग सरकार 'नोटचोर' : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। कांग्रेस ने बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली राजग सरकार पर नोटचोर होने का आरोप लगाया और दावा किया कि भ्रष्टाचार एवं अपराध डबल इंजन सरकार के असली दो इंजन हैं।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यहां कांग्रेस कार्य समिति की बैठक के बाद यह दावा भी किया कि तेलंगाना में विधानसभा चुनाव से दो महीने पहले कार्य समिति की बैठक हुई थी और वहां कांग्रेस की सरकार बनी, उसी तरह अब पटना की बैठक के बाद बिहार में महागठबंधन की सरकार बनेगी।

कार्य समिति में पारित बिहार से संबंधित प्रस्ताव में भाजपा और जनता दल (यूनाइटेड) के गठबंधन को अपवित्र बताया गया है।

प्रस्ताव में कहा गया है, नीतीश कुमार के खोखले वादों और विश्वासघात से आक्रोशित होकर आज बिहार की जनता सड़कों पर है। मुख्यमंत्री के रूप में 20 वर्षों के लंबे कार्यकाल के बावजूद उन्होंने जनता को सशक्त बनाने के लिए बेहद कम काम किया है। कभी 27 प्रतिशत रहने वाला चीनी उत्पादन घटकर सिर्फ़ तीन प्रतिशत पर सिमट गया है और औद्योगिक विकास लगभग ठप है।

कार्य समिति ने दावा किया कि राज्य की पूंजीगत आवश्यकताओं का महज़ 33 प्रतिशत ही स्वयं राज्य द्वारा पूरा किया जा रहा है, शेष के लिए बिहार को केंद्र, विकास बैंकों और ऋणों पर निर्भर रहना पड़ता है तथा यह ऋण-निर्भरता बिहार को और अधिक ग़रीबी और पिछड़ेपन की ओर धकेल रही है।

उसने यह भी कहा, जदयू और भाजपा के अपवित्र गठबंधन के

बाद, भ्रष्टाचार और अपराध तथाकथित डबल इंजन सरकार के असली इंजन बन कर सामने आये हैं। कार्य समिति ने आरोप लगाया, यह सरकार नोटचोर है, इसका सबसे बड़ा सबूत सीएजी की रिपोर्ट है, जिसमें बिहार के 49,649 लंबित उपयोगिता प्रमाण-पत्र का उल्लेख हैं और इनकी राशि भयावह 70,877 करोड़ रुपए तक पहुंचती है। इसे सिर्फ़ भ्रष्टाचार कहना कम होगा, यह संगठित लूट है, दिन-दहाड़े डकैती है, जिसने जनता का खून चूसकर सत्ता को पाला-पोसा है। बिहार सरकार के मंत्री अशोक चौधरी का नाम लिए बगैर कार्य समिति के प्रस्ताव में कहा गया, नीतीश कुमार के सबसे क़रीबी सहयोगी के इर्द-गिर्द सैकड़ों करोड़ के भ्रष्टाचार घोटाले उजागर हो चुके हैं। प्रस्ताव में यह दावा भी किया गया है कि जब करोड़ों भूखे, बेघर और भूमिहीन सड़कों पर संघर्ष कर रहे हैं, एनडीए सरकार ने भागलपुर में एक हज़ार एकड़ से ज़्यादा ज़मीन अपने हितैषी अदाणी समूह को एक बिजली परियोजना के लिए एक रुपए प्रति एकड़ प्रति वर्ष की दर से पट्टे पर दे दी है। कार्य समिति ने दावा किया, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की बिहार यात्रा के पीआर हथकंडों से परे, सच्चाई साफ़ है कि राजग सिर्फ़ वोट चोर ही नहीं, बल्कि ज़मीन चोर भी है।

विदेश नीति दोस्ती से तय नहीं होती : राहुल

पटना/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शुल्क (टैरिफ) लगाने और एच1बी वीजा से जुड़े उनके कदमों की पृष्ठभूमि में बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधा और कहा कि विदेश नीति निजी दोस्ती से तय नहीं होनी चाहिए। सूत्रों ने बताया कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कांग्रेस की विस्तारित कार्य समिति की बैठक में यह टिप्पणी की। बैठक के बाद सूत्रों ने कहा कि राहुल गांधी ने अमेरिका के हालिया कदमों और ट्रंप के बयानों का उल्लेख करते हुए मोदी सरकार की तीखी आलोचना की। सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस नेता ने कहा कि प्रधानमंत्री को ट्रंप के सामने खड़ा होना चाहिए और भारत के राष्ट्रीय हित को सबसे आगे रखना चाहिए। सूत्रों के अनुसार, राहुल गांधी ने कथित वोट चोरी के विषय का भी उल्लेख किया और कहा कि वह आगे भी तथ्यों के साथ जनता के सामने अपनी बात रखेंगे। उन्होंने वोटर अधिकार यात्रा की सफलता के लिए कांग्रेस की बिहार इकाई और सहयोगी दलों की तारीफ की।

एआईएमआईएम को छह विधानसभा सीटें मिलें तो बिहार में 'इंडिया' गठबंधन में शामिल होंगे : ओवैसी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

किशनगंज (बिहार)/भाषा। बिहार में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की मदद करने के आरोपों पर नाराजगी जताते हुए ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने बुधवार को कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में अगर उनकी पार्टी को छह सीट दी जाती हैं तो वह विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' में शामिल हो जाएंगे।

हैदराबाद से सांसद ओवैसी किशनगंज में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। किशनगंज उत्तर बिहार का एक ऐसा जिला है जहां की लगभग दो-तिहाई आबादी मुस्लिम है। यहीं से उन्होंने तीन दिवसीय 'सीमांचल न्याय यात्रा' की शुरुआत की। ओवैसी ने कहा, मेरी पार्टी के बिहार प्रदेश अध्यक्ष ने विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को कई पत्र लिखे हैं। आखिरी पत्र में अनुरोध किया गया है

कि विधानसभा की 243 सीटों में से एआईएमआईएम को छह सीटें दी जाएं। उन्होंने कहा, अब गेंद 'इंडिया' गठबंधन के पाले में है। हमने यह पहल इसलिए की ताकि हम पर भाजपा की मदद करने का आरोप न लगे। अगर गठबंधन की तरफ से उचित जवाब नहीं मिलता है तो यह साफ हो जाएगा कि वास्तव में भाजपा की मदद कौन कर रहा है।

गौरतलब है कि पिछले विधानसभा चुनाव में एआईएमआईएम ने 20 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे और उनमें से पांच पर जीत दर्ज की थी। हालांकि, दो साल बाद प्रदेश अध्यक्ष अख्तरुल इमान को छोड़कर पार्टी के सभी विधायक राष्ट्रीय जनता दल (राजद) में शामिल हो गए। हालांकि आरोप लगा था कि एआईएमआईएम द्वारा मुस्लिम मतदाताओं, खासकर सीमांचल क्षेत्र में अल्पसंख्यक समुदाय में सेंधमारी की वजह से ही महागठबंधन पिछले विधानसभा चुनाव में बहुमत पाने से चूक गया था। यादव की उस कथित टिप्पणी के बारे में ओवैसी से पूछा गया जिसमें विधानसभा में विपक्ष के नेता ने कहा था कि वह एआईएमआईएम को बिहार में तभी सीटें देंगे जब राजद को हैदराबाद में कुछ सीटें चुनाव लड़ने के लिए मिलें। इस टिप्पणी पर ओवैसी ने पलटवार करते हुए कहा, वह (यादव) 'इंडिया' गठबंधन का हिस्सा हैं और तेलंगाना में कांग्रेस सत्ता में है। वह चाहें तो वहां चुनाव लड़ें और वोट हासिल करें, मुझे कोई आपत्ति नहीं है। जब उनसे पूछा गया कि उनकी पार्टी ने अन्य घटक दलों जैसे कांग्रेस और वाम दलों से बातचीत क्यों नहीं की तो ओवैसी ने कहा, क्योंकि राज्य में 'इंडिया' गठबंधन का नेतृत्व राजद ही कर रहा है। हैदराबाद से सांसद ने उत्तर प्रदेश में मुस्लिम युवकों पर 'आई लव मोहम्मद' लिखे पोस्टर लगाने के लिए दर्ज मामलों को गलत और असंवैधानिक बताया।

मणिपुर में असम राइफल्स काफिले पर हमले का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

इम्फाल/भाषा। मणिपुर में 19 सितंबर को असम राइफल्स (एआर) के काफिले पर हुए हमले के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। एक शीर्ष पुलिस अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। इस हमले में दो जवान शहीद हो गए थे। उन्होंने बताया कि आरोपियों द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर कुछ हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया गया। मणिपुर के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव सिंह ने एक बयान में कहा, कामेंग क्षेत्र में सशस्त्र आतंकवादियों की मौजूदगी की विशेष सूचना मिलने पर, जिला पुलिस इंफाल पश्चिम, बिष्णुपुर, 33 एआर और अन्य सुरक्षा बलों की एक टीम ने 23 सितंबर की देर रात लगभग एक बजे एक विशेष अभियान शुरू किया।

बयान में कहा गया, अभियान के दौरान, खोमद्रम ओजित सिंह उर्फ कीलाल (47) नामक एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया... उसने स्वीकार किया कि वह घात लगाकर किए गए हमले में सीधे तौर पर शामिल था। इसमें कहा गया है कि गत 19 सितम्बर को सशस्त्र लोगों के एक समूह ने अर्धसैनिक बल के एक वाहन पर घात लगाकर हमला किया था जिसमें असम राइफल्स के दो जवान शहीद हो गए थे तथा पांच अन्य घायल हो गए थे। हमले में शामिल अन्य अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। इसमें कहा गया है, उसने यह भी खुलासा किया कि उसे 22 अप्रैल, 2007 को पहले भी गिरफ्तार किया गया था...जांच के दौरान पता चला कि वह 19 सितंबर को सबल लेईकाई, नाम्बोल (जिला बिष्णुपुर) में शाम लगभग साढ़े पांच बजे 33 एआर कर्मियों के खिलाफ घात लगाकर किए गए हमले में सीधे तौर पर शामिल था। बयान में कहा गया है, एआर कर्मियों पर गोलीबारी करने के बाद, वह अन्य व्यक्तियों के साथ लोकटक झील की ओर भाग गया और अपने हथियार और गोला-बारूद एक गुप्त स्थान पर छिपा दिए।

झारखंड के गुमला में सुरक्षा बलों से हुई मुठभेड़ में तीन माओवादी ढेर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड के गुमला जिले में बुधवार सुबह सुरक्षा बलों से हुई मुठभेड़ में प्रतिबंधित माओवादी समूह के कम से कम तीन सदस्य ढेर हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी।

सुबह करीब आठ बजे बिष्णुपुर थाना क्षेत्र के केचकी गांव के पास एक जंगली इलाके में झारखंड जगुआर और गुमला पुलिस समेत सुरक्षा बलों और झारखंड जन मुक्ति परिषद (जेजेएमपी) के माओवादियों के बीच यह मुठभेड़ हुई। आईजी (अभियान) और झारखंड पुलिस के प्रवक्ता माइकल राज एस ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, मुठभेड़ में जेजेएमपी के तीन माओवादी ढेर हो गए। घटनास्थल से तीन हथियार भी बरामद किए गए। गुमला के एसपी हारिस बिन जमां ने कहा कि माओवादियों की पहचान लोहरदगा जिले के निवासियों लालू लोहरा एवं सुजीत उरांव और लातेहार के रहने वाले छोटू उरांव के रूप में हुई है। गुमला के एसपी को केचकी के जंगली इलाके में जेजेएमपी के सक्रिय सदस्यों की मौजूदगी की सूचना मिली थी। पुलिस के एक बयान के अनुसार, खुफिया जानकारी के आधार पर, झारखंड जगुआर और गुमला पुलिस ने एक संयुक्त अभियान की योजना बनाई गई। बुधवार सुबह केचकी इलाके में यह अभियान चलाया गया। पुलिसकर्मियों को देखते ही जेजेएमपी माओवादियों ने उन पर गोलीबारी शुरू कर दी। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की, जिसमें तीन माओवादी मारे गए। तलाशी अभियान के दौरान एक एके-56 राइफल, एक इंसास राइफल, एक एसएलआर और कई कारतूस बरामद किए गए। पुलिस के एक बयान के अनुसार, जेजेएमपी संगठन लगभग समाप्त हो चुका है।

प्रधानमंत्री के 'दोस्त' ट्रंप भारत को अनेक संकट में डाल रहे हैं: खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हालिया टिप्पणियों को लेकर बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री जिनको मेरे दोस्त बताकर ढिंढोरा पीटते हैं, वही दोस्त आज भारत को अनेक संकट में डाल रहे हैं। उन्होंने कहा, पटना में हो रही कार्य समिति की यह बैठक बेहद महत्वपूर्ण है। हम ऐसे समय में मिल रहे हैं, जबकि अन्तराष्ट्रीय और राष्ट्रीय, दोनों स्तरों पर भारत एक बेहद चुनौतीपूर्ण और चिंताजनक दौर से गुज़र रहा है।

खरगे ने आरोप लगाया कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हमारी मुसीबतें नरेन्द्र मोदी और उनकी सरकार की नाकामी और कूटनीतिक विफलता का नतीजा हैं।

उन्होंने कटाक्ष किया, प्रधानमंत्री जिनको मेरे दोस्त बताकर ढिंढोरा पीटते हैं, वही

दोस्त आज भारत को अनेक संकट में डाल रहे हैं।

ट्रंप ने मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में अपने संबोधन में कहा था कि चीन और भारत रूसी तेल खरीद कर यूक्रेन में रूसी युद्ध के प्राथमिक वित्तपोषक हैं।

ट्रंप प्रशासन ने रूसी तेल की खरीद के लिए भारत पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क (टैरिफ) लगाया है, जिससे अमेरिका द्वारा भारत पर लगाया गया कुल शुल्क 50 प्रतिशत हो गया है, जो दुनिया में सबसे अधिक है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने एक बार फिर यह दावा किया कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष रुकवाया था।

ट्रंप ने कहा, मैंने सात युद्ध समाप्त करवाये, जिनमें अनगिनत लोग मारे गए हैं। इसमें कंबोडिया-थाईलैंड, कोसोवो-सर्बिया, कांगो-रवांडा, पाकिस्तान-भारत, इजराइल-ईरान, मिस्र-इथियोपिया तथा आर्मेनिया-अजरबैजान युद्ध शामिल हैं।

इस साल 10 मई को, जब ट्रंप ने सोशल मीडिया पर घोषणा की थी कि वाशिंगटन की मध्यस्थता में हुई बातचीत के बाद भारत और पाकिस्तान ''पूर्ण और तत्काल'' संघर्ष विराम के लिए सहमत हो गए हैं, तब से उन्होंने लगभग 50 बार यह दावा दोहराया है कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव ''घटाने'' में मदद की है।

भारत लगातार यह कहता रहा है कि पाकिस्तान के साथ संघर्ष समाप्त करने पर सहमति दोनों सेनाओं के सैन्य संचालन महानिदेशकों के बीच सीधी बातचीत के बाद बनी थी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी संसद में स्पष्ट कर चुके हैं कि किसी भी देश के नेता ने भारत से ऑपरेशन सिंदूर रोकने को नहीं कहा था।

सुविचार

अगर आप सफल होना चाहते हो तो आपको अपने काम में एकाग्रता लानी होगी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

छोटे कदम, बड़े बदलाव

स्वच्छता के क्षेत्र में कीर्तिमान रच चुके इंदौर शहर ने 'नो कार डे' मनाकर एक और मिसाल कायम कर दी है। देश के अन्य शहर और गांव भी इससे बहुत कुछ सीख सकते हैं। इंदौरवासियों ने 'नो कार डे' मनाते हुए लगभग 80,000 लीटर पेट्रो ईंधन की बचत की है। इसका फायदा इंदौरवासियों को मिलेगा। आज जिस तरह वायु प्रदूषण एक गंभीर समस्या बनती जा रही है, उसके मद्देनज़र इंदौर का यह प्रयोग हमें नई राह दिखा सकता है। इस दिन राजनेता और पुलिस अधिकारी साइकिल चलाते नजर आए। कई उच्चाधिकारी इलेक्ट्रिक वाहन चलाकर अपने दफ्तर पहुंचे। कुछ न्यायाधीशों ने भी कार का इस्तेमाल नहीं किया। अगर लोग ठान लें तो कुछ भी असंभव नहीं है। वे अपने शहर को देश का सबसे स्वच्छ शहर बना सकते हैं। अगर वे प्रतिज्ञा कर लें तो अपने शहर की हवा को सबसे साफ बनाने की ओर कदम बढ़ा सकते हैं। 'नो कार डे' की तर्ज पर कुछ और डे भी मनाए जा सकते हैं। उदाहरण के लिए, कई लोग दिन-रात अपने मोबाइल फोन के साथ व्यस्त रहते हैं। अगर वे चिंतन करेंगे तो पाएंगे कि जरूरी काम के लिए सीमित उपयोग पर्याप्त होता है। उनका काफी समय ऐसी सामग्री देखने में गुजर जाता है, जो उपयोगी नहीं होती है। इसे ध्यान में रखते हुए हफ्ते या पखवाड़े में एक दिन 'नो मोबाइल फोन डे' मनाना चाहिए। उस दिन बहुत जरूरी होने पर ही फोन देखें। यह नहीं होना चाहिए कि बचा हुआ समय टीवी या ओटीटी को भेंट कर दें। उस दिन या तो अपना काम करें या कोई अच्छी पुस्तक पढ़ें।

प्राय: लोग जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग, प्लास्टिक कचरा, जंक फूड के बढ़ते चलन, संसाधनों का अपव्यय जैसी समस्याओं का जिक्र तो खूब करते हैं, लेकिन सुख-सुविधाएं नहीं छोड़ पाते। हमें कुछ हौसला दिखाते हुए गर्मियों में 'नो एसी डे' भी मनाना चाहिए। महीने में कोई एक दिन ऐसा होना चाहिए, जब हम बिजली से चलने वाले सभी उपकरणों का कम से कम इस्तेमाल करें। पिछले दो दशकों में प्लास्टिक कचरा इतना ज्यादा फैल गया है कि कई समुद्री जीवों का अस्तित्व खतरे में पड़ गया है। क्या हम 'नो प्लास्टिक डे' मनाकर सिंगल यूज़ प्लास्टिक की जगह पर्यावरण-अनुकूल विकल्प अपना सकते हैं? जंक फूड को छोड़ पाना आसान नहीं होता है। कई लोग तो डॉक्टर की सलाह के बाद भी इसे नहीं छोड़ पाते। हालांकि संयम के अभ्यास से यह संभव है। हम 'नो जंक फूड डे' मनाकर अपने लिए ही भलाई करेंगे। अगर गौर करेंगे तो पाएंगे कि कुछ वर्षों में शोरगुल की मात्रा में काफी बढ़ोतरी हुई है। कई ड्राइवर अकारण ही वाहन का हॉर्न बजाते हैं। कुछ लोग लाउडस्पीकर पर उच्च डेसिबल पर गाने आदि बजाते हैं। उस समय ऐसा लगता है कि इन्होंने पूरे मोहल्ले को गाना सुनाना अपना कर्तव्य समझ लिया है! अगर हफ्ते में कोई एक दिन ऐसा हो, जब बग़ैर जरूरत कोई ड्राइवर हॉर्न न बजाए और लाउडस्पीकर शांत रहें तो वातावरण में बहुत शांति होगी। आज नकारात्मकता भी एक बड़ी समस्या बन चुकी है। सोशल मीडिया से लेकर समाचार चैनलों तक, बहुत कम सकारात्मक बातें देखने-सुनने को मिलती हैं। हर जगह नकारात्मकता ज्यादा फैली हुई है। कई लोग तो वर्षों पहले हुई घटना को याद कर अपना पूरा दिन खराब कर लेते हैं। क्या ही अच्छा हो, अगर हम 'नो नेगेटिविटी डे' मनाएं। उस दिन सिर्फ सकारात्मक बातों का जिक्र करें, सकारात्मक ही सोचें! जीवन की कई समस्याओं का समाधान तो हम इसी तरह ढूंढ़ सकते हैं। बस, दृढ़ इच्छाशक्ति और संकल्प की जरूरत है।

ट्वीटर टॉक

25 सितंबर 2025 को पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती के अवसर पर प्रात: 8 बजे आयोजित राष्ट्रव्यापी स्वैच्छिक श्रमदान कार्यक्रम एक दिन, एक घंटा, एक साथ में भाग लेकर आइए, हम सब मिलकर अपने देश को स्वच्छ बनाने में योगदान दें।

-मदन राठौड़

64वें राष्ट्रीय ललित कला अकादमी पुरस्कार समारोह में राजस्थान की गौरवशाली धरती से डॉ. गिरिराज शर्मा जी को मूर्तिकला तथा डॉ. कनुप्रिया जी को मिक्स्ड मीडिया के क्षेत्र में अनुपम-उल्लेखनीय योगदान हेतु राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया गया।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

मुख्यमंत्री निवास पर प्रवासी राजस्थान दिवस के लोगो का अनावरण किया। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों को आगामी 26 सितम्बर को हैदराबाद में आयोजित होने वाली प्रवासी राजस्थानी कनेक्ट मीट के सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

आदर्श की प्रतिमूर्ति

आध्यात्मिक गुरु श्रीरामकृष्ण परमहंस के विराट व्यक्तित्व से तो सब परिचित हैं, पर उनकी पत्नी शारदा मणि का जीवन भी उतना ही उच्च आध्यात्मिक व मानवीय मूल्यों से युक्त था। वे भी सांसारिक विषय-वासनाओं और प्रलोभनों से दूर रहती थीं। एक बार एक धनी व्यापारी ने श्रीरामकृष्ण को मोटी धनराशि दान में देनी चाही। परमहंस जी ने विनम्रता से मना करते हुए कहा कि उन्हें किसी धन की आवश्यकता नहीं। जब व्यापारी ने बार-बार आग्रह किया, तो श्रीरामकृष्ण ने कहा'मुझे नहीं चाहिए, शायद मेरी पत्नी को आवश्यकता हो।' उन्होंने शारदा मणि को बुलाकर स्थिति बताई। शारदा मणि ने स्पष्ट शब्दों में उत्तर दिया'जब आपको धन की आवश्यकता नहीं, तो मुझे कैसे हो सकती है? मैं आपकी अर्द्धांगिनी हूं। यदि मैं कोई कर्म करती हूं तो आप भी उसके सहभागी होंगे। इसलिए यह धन मैं कदापि नहीं ले सकती।' उनकी निष्ठा, विचार और त्याग देखकर श्रीरामकृष्ण परमहंस भावविभोर हो उठे। वे हाथ जोड़कर बार-बार बोले'आनन्दमयी मां... आनन्दमयी मां!'

सामयिक

अन्त्योदय नये भारत का आधार

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

भारत की सांस्कृतिक और दार्शनिक चेतना में सदैव यह विचार रहा है कि समाज की वास्तविक उन्नति तभी संभव है जब समाज का सबसे अंतिम व्यक्ति-वह व्यक्ति जो सबसे अधिक उपेक्षित, वंचित और अभावग्रस्त है, उसके जीवन में भी सुख, सम्मान और समृद्धि का प्रकाश पहुँचे। यही विचारधारा अंत्योदय के रूप में प्रकट हुई। अंत्योदय केवल एक नारा या कार्यक्रम नहीं, बल्कि यह समाज-जीवन के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत है। अंत्योदय दिवस इसी दर्शन की याद दिलाने और उसे व्यवहार में उतारने का अवसर है। यह दिवस हर वर्ष 25 सितम्बर को मनाया जाता है, क्योंकि यही पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जन्मतिथि है। दीनदयाल उपाध्याय ने अंत्योदय के सिद्धांत को भारतीय राजनीति और समाज के केन्द्र में स्थापित किया। उन्होंने कहा था कि राजनीति का उद्देश्य केवल सत्ता प्राप्ति नहीं, बल्कि उस सत्ता का उपयोग समाज के अंतिम व्यक्ति के जीवन को बेहतर बनाने के लिए होना चाहिए।

आज गांव, गरीब और स्वराज में दीनदयाल उपाध्याय की ही सोच आगे बढ़ रही है कि आज भारत में लोकतंत्र की चाल, चेहरा और चरित्र बदला जा रहा है तथा आस्थाओं की राजनीति को बल देते हुए जाति-धर्म का उन्माद नियंत्रित किया जा रहा है। महात्मा गांधी, आंबेडकर और दीनदयाल उपाध्याय आज इसलिए भारत निर्माण की नई व्याख्याओं में सबसे आगे हैं। वसुधैव कुटुम्बकम एवं सर्वधर्म सद्भाव का विचार आज सर्वाधिक बलशाली बन कर दुनिया के लिये आदर्श बन गया है। अंत्योदय दिवस मनाने का मूल उद्देश्य हमें यह स्मरण कराना है कि लोकतंत्र का वास्तविक अर्थ तभी साकार होता है जब समाज का अंतिम व्यक्ति भी राष्ट्रीय विकास यात्रा में शामिल हो सके। यह दिवस हमें यह प्रेरणा देता है कि योजनाएँ और नीतियाँ केवल कागज़ों तक सीमित न रहें, बल्कि उनका लाभ उस व्यक्ति तक पहुँचे जो वर्षों से उपेक्षा, गरीबी और अभाव का शिकार रहा है। आज भारत नए शिखरों की ओर अग्रसर है। आर्थिक विकास, तकनीकी प्रगति और वैश्विक पहचान निरंतर बढ़ रही है। लेकिन यदि यह प्रगति समाज के सबसे निचले पायदान पर खड़े व्यक्ति तक नहीं पहुँचती, तो यह विकास अधूरा है। इसलिए अंत्योदय दिवस हमें विकास के मानवीय आयाम की याद दिलाता है। यह नागरिकों और नीति निर्माताओं को वंचितों का समर्थन करने की जिम्मेदारी का अहसास कराता है। सामाजिक न्याय को बढ़ावा देता है, और पूरे देश में समावेशी विकास को प्रोत्साहित करता है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय का जन्म 25 सितम्बर 1916 को हुआ था। वे भारतीय जनसंघ के संस्थापकों में से एक थे और एक प्रखर चिंतक, दार्शनिक तथा समाज सुधारक थे। उनका सबसे बड़ा योगदान था-एकात्म मानववाद और अंत्योदय का दर्शन। एकात्म मानववाद का अर्थ था कि मनुष्य को केवल आर्थिक इकाई न माना जाए, बल्कि उसके जीवन के सभी आयामों-शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक और आध्यात्मिक का संतुलित विकास हो। उनका एकात्म मानववाद' का दर्शन व्यक्तिगत और सामूहिक कल्याण, सामाजिक न्याय, आर्थिक समानता तथा आत्मनिर्भरता पर केंद्रित था। अंत्योदय का अर्थ था विकास की कसौटी पर यह देखना कि समाज में सबसे अंतिम व्यक्ति का जीवन कितना सुधर रहा है। उन्होंने कहा था कि हमारी योजनाओं और प्रयासों की सफलता तभी मानी जाएगी जब सबसे अंतिम व्यक्ति तक उसका लाभ पहुँचे। दीनदयाल जी का यह दर्शन महात्मा गांधी की 'अंतिम जन' की अवधारणा से भी जुड़ा है। गांधीजी कहा करते थे कि किसी भी निर्णय से पहले यह सोचना चाहिए कि उसका लाभ सबसे अंतिम और सबसे कमजोर व्यक्ति तक पहुँचेगा या नहीं। दीनदयाल उपाध्याय ने इसी विचार को राजनीतिक और आर्थिक विमर्श का आधार बनाया। आज जबकि समूची देश एवं दुनिया में संघर्ष की स्थितियां बनी हुई हैं, हर कोई विकास की दौड़ में स्वयं को शामिल करने के लिये लड़ने की मुद्रा में है, कहीं सम्प्रदाय के नाम पर तो कहीं जातीयता के नाम पर, कहीं अधिकारों के नाम पर तो कहीं भाषा के नाम पर संघर्ष हो रहे हैं, ऐसे जटिल दौर में भी अभाव, उपेक्षा एवं संघर्षरत लोगों के लिये पंडित उपाध्याय का अंत्योदय' एवं एकात्म मानववाद ही सबसे माकूल हथियार नजर आ रहा है।

भारतीय समाज एवं राष्ट्र को सुखी, संपन्न एवं मंगलकारी बनाने के निमित्त 'एकात्म मानव-दर्शन' व 'अन्त्योदय' की अद्भुत संकल्पना देने वाले पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्र-निर्माता एवं समाज-सुधारक महा व्यक्तित्व थे। आज की भारतीय जनता पार्टी उन्हीं के सिद्धान्तों को अग्रसर करते हुए उन्नत, सशक्त एवं विकसित भारत को आकार दे रही है।

अंत्योदय' का शाब्दिक अर्थ है-'अंतिम व्यक्ति का उदय'। इसका व्यावहारिक अर्थ है कि गरीब को जीवन की बुनियादी आवश्यकताएँ मिलें, किसान, श्रमिक, दलित, आदिवासी और वंचित वर्ग की समस्याओं का समाधान हो, समाज में कोई भी उपेक्षित या निराश्रित न रहे और आर्थिक असमानता घटे गरीबी का संबोधन खत्म हो ताकि सभी को समान अवसर मिलें। यह केवल आर्थिक उत्थान तक सीमित नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, मानवीय गरिमा और आत्मनिर्भरता की स्थापना का भी संदेश है। आज भारत गरीबमुक्ति की ओर अग्रसर होकर इसी विचार एवं दर्शन को मजबूती दे रहा है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जन्म दिवस को अंत्योदय दिवस के रूप में मनाने निर्णय इसलिये लिया गया कि उन्होंने जीवनभर वंचितों, गरीबों और समाज के अंतिम व्यक्ति के कल्याण के लिए चिंतन और कार्य किया। उनका जीवन तपस्या और सादगी का प्रतीक था। वे स्वयं किसी प्रकार की व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा से दूर थे, लेकिन समाज के लिए समर्पित थे।

आज जब भारत 'सशक्त भारत' और 'नए भारत' के निर्माण की दिशा में बढ़ रहा है, तब अंत्योदय का महत्व और भी बढ़ जाता है। भारत में अब भी करोड़ों लोग गरीबी रेखा के नीचे जीवनयापन कर रहे हैं। अंत्योदय यह मांग करता है कि शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएँ हर गरीब और वंचित तक पहुँचें। यह भी सुनिश्चित करना चाहता है कि हर हाथ को काम मिले और हर परिवार आत्मनिर्भर हो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों को आधार बनाकर सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' का मंत्र दिया है। यह मंत्र अंत्योदय की ही आधुनिक व्याख्या है। वर्तमान समय में अंत्योदय का दर्शन और भी महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि वैश्वीकरण और बाजारवाद की दौड़ में गरीब और उपेक्षित वर्ग अक्सर पीछे छूट जाता है। केवल अमीर और सशक्त वर्ग ही विकास का लाभ उठा पाते हैं। यदि समाज का अंतिम व्यक्ति भूखा सोता है, तो हमारी प्रगति अधूरी है। यदि एक किसान आत्महत्या करने को विवश होता है, तो हमारी नीतियाँ अधूरी हैं। यदि आदिवासी, दलित या श्रमिक अब भी शोषण का शिकार हैं, तो हमारा लोकतंत्र अधूरा है। अंत्योदय इन सभी समस्याओं का समाधान प्रस्तुत करता है। यह हमें याद दिलाता है कि सच्चा विकास वही है, जिसमें हर कोई भागीदार बने।

भारतीय समाज एवं राष्ट्र को सुखी, संपन्न एवं मंगलकारी बनाने के निमित्त 'एकात्म मानव-दर्शन' व 'अन्त्योदय' की अद्भुत संकल्पना देने वाले पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्र-निर्माता एवं समाज-सुधारक महा व्यक्तित्व थे। आज की भारतीय जनता पार्टी उन्हीं के सिद्धान्तों को अग्रसर करते हुए उन्नत, सशक्त एवं विकसित भारत को आकार दे रही है। उन्होंने भारत के जन-मन-गण को गहराई में आत्मसात करते हुए न केवल वैचारिक क्रांति की बल्कि व्यक्ति-क्रांति के भी प्रेरक बने। उनके दर्शन में आज भारत की संस्कृति और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के साथ-साथ मानव को केंद्र-बिंदु में रखकर ही राष्ट्र एवं समाज स्थापना की प्रेरणा मिलती है। सहृदयता, बुद्धिमता, सक्रियता एवं अध्यवसायी वृत्ति वाले पंडित उपाध्याय एक व्यक्ति नहीं, अपितु एक विचार, एक संस्था और जीवन-शैली हैं। भारत और भारतीयता उनके जीवन और चिंतन का आवृत्त है। राष्ट्रसेवा को सर्वोपरि मानने वाले और राष्ट्र एवं समाज के प्रति आजीवन समर्पित रहने वाले पंडितजी ने अपने मौलिक चिंतन से राष्ट्र-जीवन को प्रेरित और प्रभावित किया।

अंत्योदय दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि राष्ट्र की शक्ति का वास्तविक स्रोत वह अंतिम व्यक्ति है जो आज भी अभावों में जी रहा है। यदि उसका जीवन सुधरता है, तभी भारत वास्तव में समृद्ध और सशक्त बन सकता है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय का अंत्योदय दर्शन आज भी हमारे लिए पथप्रदर्शक है। यह केवल राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि मानवीयता का धर्म है। हमें यह संकल्प लेना होगा कि किसी भी योजना, किसी भी नीति या किसी भी प्रयास का केन्द्र सदैव समाज का अंतिम व्यक्ति होगा। अंत्योदय दिवस का संदेश यही है कि नए भारत का निर्माण तभी संभव है जब वंचित और उपेक्षित व्यक्ति का जीवन बदल जाए, जब हर चेहरे पर मुस्कान और हर जीवन में सम्मान हो।

नजरिया

शक्ति और साहस का पर्व है नवरात्रि

रमेश सर्राफ धमोरा
मोबाइल : 9414255034

नवरात्रि का मां दुर्गा के नौ रूपों की पूजा और आराधना के लिए समर्पित है जिन्हें शक्ति, साहस, और नारी सशक्तिकरण का प्रतीक माना जाता है। नवरात्रि का अर्थ है 'नौ रातें', और इस दौरान भक्त देवी दुर्गा की विशेष पूजा करते हैं, उपवास रखते हैं, और भक्ति में लीन रहते हैं। नवरात्रि का त्योहार एक बार वसंत ऋतु के दौरान चैत्र नवरात्रि और शरद ऋतु के दौरान शरद नवरात्रि के रूप में मनाया जाता है। शरद नवरात्रि अश्विन के महीने के दौरान मनाई जाती है जो आमतौर पर सितंबर या अक्टूबर में आती है। वहीं चैत्र नवरात्रि हिन्दू कैलेंडर के चैत्र महीने के दौरान मनाई जाती है। चैत्र नवरात्रि आमतौर पर मार्च या अप्रैल महीने में मनाई जाती है। नवरात्रि एक संस्कृत शब्द है जिसका अर्थ होता है नौ रातें। इन नौ रातों और दस दिनों के दौरान शक्ति- देवी के नौ रूपों की पूजा की जाती है। दसवां दिन दशहरा के नाम से प्रसिद्ध है।

वसन्त की शुरुआत और शरद ऋतु की शुरुआत, जलवायु और सूरज के प्रभावों का महत्वपूर्ण संगम माना जाता है। इन दो समय मां दुर्गा की पूजा के लिए पवित्र अवसर माने जाते है। त्योहार की तिथियां चन्द्र कैलेंडर के अनुसार निर्धारित होती हैं। यह पूजा वैदिक युग से पहले प्रागैतिहासिक काल से है। नवरात्रि के पहले तीन दिन देवी दुर्गा की पूजा करने के लिए समर्पित किए गए हैं। यह पूजा उनकी ऊर्जा और शक्ति की की जाती है। प्रत्येक दिन दुर्गा के एक अलग रूप को समर्पित है।

नवरात्रि से हमें अधर्म पर धर्म और बुराई पर अच्छाई के जीत की सीख मिलती हैं। यह हमें बताती है की इंसान अपने अंदर की मूलभूत अच्छाइयों से नकारात्मकता पर विजय प्राप्ती और स्वयं के अलौकिक स्वरूप से साक्षात्कार कैसे कर सकता है। भारतीय जन-जीवन में धर्म की महत्ता अपरम्पार है। यह भारत की गंगा-जमुना तहजीब का ही नतीजा है कि सब धर्मों को मानने वाले लोग अपने-अपने धर्म को मानते हुए इस देश में भाईचारे की भावना के साथ सदियों से एक साथ रहते चले आ रहे हैं। यही कारण है की पूरे विश्व में भारत की धर्म व संस्कृति सर्वोतम मानी गयी है। विभिन्न धर्मों के साथ जुड़े कई पर्व भी है जिसे भारत के कोने - कोने में श्रध्दा, भक्ति और धूमधाम से मनाया जाता है। उन्ही में से एक है नवरात्रि।

नवरात्रि पर्व के नौ दिनों के दौरान आदिशक्ति जगदम्बा के नौ विभिन्न रूपों की आराधना की जाती है। ये नौ दिन वर्ष के सर्वाधिक पवित्र दिवस माने गए हैं। इन नो दिनों का भारतीय धर्म एवं दर्शन में ऐतिहासिक महत्व है और इन्हीं दिनों में बहुत सी दिव्य घटनाओं के घटने की जानकारी हिन्दू पौराणिक ग्रन्थों में मिलती है। माता के इन नौ रूपों को नवदुर्गा के नाम से भी जाना जाता है जो इस प्रकार हैं -शैलपुत्री, ब्रह्माचारिणी, चन्द्रघन्टा, कूष्माण्डा, स्कन्द माता, कात्यायिनी, कालरात्रि, महागौरी और सिध्दिदात्री।

नवरात्रि वर्ष में चार बार आता है। चैत्र, आषाढ़, अश्विन, पौष प्रतिपदा से नवमी तक मनाया जाता है। नवरात्रि के नौ रातों में तीन देवियों महालक्ष्मी, सरस्वती और दुर्गा के नौ स्वरुपों की पूजा होती है जिन्हें नवदुर्गा कहते हैं। दुर्गा का मतलब जीवन के दुख को हटानेवाली होता है। नवरात्रि एक महत्वपूर्ण प्रमुख त्योहार है जिसे पूरे भारत में पूरे उत्साह के साथ मनाया जाता है। नवरात्रि का त्यौहार असत्य पर सत्य की जीत को दर्शाता है। हिन्दू मान्यताओं के अनुसार नवरात्रि साल में दो बार मनाया जाता है। हिंदी महीनो के मुताबिक पहला नवरात्रि चैत्र महीने में मनाया जाता है और दूसरी बार अश्विन महीने में मनाया जाता है। नवरात्रि नौ दिनों तक निरंतर चलता है जिसमे देवी माँ के अलग अलग स्वरूपों की लोग भक्ति और निष्ठा के साथ पूजा करते है। भारत में नवरात्रि अलग अलग राज्यों में विभिन्न तरीको और विधियों के संग मनाई जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इन्हीं नौ दिनों में मां दुर्गा धरती पर आती है। उनके आने की खुशी में इन दिनों को दुर्गा उत्सव के तौर पर देशभर में धूमधाम से मनाया जाता हैं। नवरात्रि के पहले दिन बालिकाओं की पूजा की जाती है। दूसरे दिन युवती की पूजा की जाती है। तीसरे दिन जो महिला परिपक्वता के चरण में पहुंच गयी है, उसकि पूजा की जाती है। नवरात्रि के चैथे, पांचवें और छठे दिन लक्ष्मी- समृद्धि और शांति की देवी की पूजा करने के लिए समर्पित है। आठवे दिन पर एक यज्ञ किया जाता है। नौवा दिन नवरात्रि समारोह का अंतिम दिन है। यह महानवमी के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन उन नौ जवान लड़कियों की पूजा होती है जो अभी तक यौवन की अवस्था तक नहीं पहुंची है। इन नौ लड़कियों को देवी दुर्गा के नौ रूपों का प्रतीक माना जाता है। लड़कियों का सम्मान तथा स्वागत करने के लिए उनके पैर धोए जाते हैं। पूजा के अंत में लड़कियों को उपहार के रूप में नए कपड़े, वस्तुयें, फल प्रदान किए जाते हैं।

शक्ति की उपासना का पर्व शारदीय नवरात्र प्रतिपदा से नवमी तक निश्चित नौ तिथि, नौ नक्षत्र, नौ शक्तियों की नवधा भक्ति के साथ सनातन काल से मनाया जा रहा है। आदिशक्ति के हर रूप की नवरात्र के नौ दिनों में क्रमशरू अलग-अलग पूजा की जाती है। मां दुर्गा की नौवीं शक्ति का नाम सिद्धिदात्री है। ये सभी प्रकार की सिद्धियां देने वाली हैं। इनका वाहन सिंह है और कमल पुष्प पर ही आसीन होती हैं। नवरात्रि के नौवें दिन इनकी उपासना की जाती है।

इस पर्व से जुड़ी एक कथा अनुसार देवी दुर्गा ने एक भैंस रूपी असुर अर्थात महिषासुर का वध किया था। पौराणिक कथाओं के अनुसार महिषासुर के एकाग्र ध्यान से बाध्य होकर देवताओं ने उसे अजय होने का वरदान दे दिया। उसको वरदान देने के बाद देवताओं को चिंता हुई कि वह अब अपनी शक्ति का गलत प्रयोग करेगा। महिषासुर ने अपने साम्राज्य का विस्तार स्वर्ग के द्वार तक कर दिया और उसके इस कृत्य को देख देवता विस्मय की स्थिति में आ गए। महिषासुर ने सूर्य, इन्द्र, अग्नि, वायु, चन्द्रमा, यम, वरुण और अन्य देवताओं के सभी अधिकार छीन लिए और स्वयं स्वर्गलोक का मालिक बन बैठा। देवताओं को महिषासुर के प्रकोप से पृथ्वी पर विचरण करना पड़ रहा था तब महिषासुर के इस दुस्साहस से क्रोधित होकर देवताओं ने देवी दुर्गा की रचना की।

ऐसा माना जाता है कि देवी दुर्गा के निर्माण में सारे देवताओं का एक समान बल लगाया गया था। महिषासुर का नाश करने के लिए सभी देवताओं ने अपने अपने अस्त्र देवी दुर्गा को दिए थे और कहा जाता है कि इन देवताओं के सम्मिलित प्रयास से देवी दुर्गा और बलवान हो गईं थी। इन नौ दिन देवी-महिषासुर संग्राम हुआ और अन्ततरू महिषासुर-वध कर महिषासुर मर्दिनी कहलायीं। नवदुर्गा और दस महाविद्याओं में काली ही प्रथम प्रमुख हैं। भगवान शिव की शक्तियों में उग्र और सौम्य, दो रूपों में अनेक रूप धारण करने वाली दशमहाविद्या अनंत सिद्धियां प्रदान करने में समर्थ हैं। दसवें स्थान पर कमला वैष्णवी शक्ति हैं, जो प्राकृतिक संपत्तियों की अधिष्ठात्री देवी लक्ष्मी हैं। देवता, मानव, दानव सभी इनकी कृपा के बिना पंगु हैं, इसलिए आगम-निगम दोनों में इनकी उपासना समान रूप से वर्णित है। सभी देवता, राक्षस, मनुष्य, गंधर्व इनकी कृपा-प्रसाद के लिए लालायित रहते हैं।

नवरात्रि के दौरान उपवास करने से शरीर से विषाक्त पदार्थ निकल जाते हैं, जिससे शरीर स्वस्थ और निरोगी रहता है। नवरात्रि के दौरान ध्यान, योग और भक्ति करने से मन को शांति मिलती है, जिससे तनाव और चिंता कम होती है। नवरात्रि व्रत का मूल उद्देश्य है इंद्रियों का संयम और आध्यात्मिक शक्ति का संचय। वस्तुत: नवरात्र अंत:शुद्धि का महापर्व है। आज वातावरण में चारों तरफ विचारों का प्रदूषण है। ऐसी स्थिति में नवरात्र का महत्व और भी अधिक बढ़ जाता है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

गगनयान के लिए प्रशिक्षण जोर-शोर से जारी: अंतरिक्ष यात्री प्रशांत बी. नायर

तिरुवनंतपुरम/भाषा। भारत के गगनयान मिशन में शामिल भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन प्रशांत बालकृष्णन नायर ने बुधवार को कहा कि इसके लिए प्रशिक्षण जोर-शोर के साथ जारी है।

नायर यहां मॉडल स्कूल थाइकॉड के छात्रों से बातचीत के बाद पत्रकारों से बात कर रहे थे। नायर ने कहा कि भारत 2027 में हमारे कैप्सूल से अंतरिक्ष में अपना पहला व्यक्ति भेजेगा, लेकिन उससे पहले कई परीक्षण किए जाने बाकी हैं। उन्होंने कहा कि पहले एक रोबोट 'व्योम मित्र' को परीक्षण के तहत भेजा जाएगा और फिर कई अन्य मिशन होंगे। उन्होंने कहा, यह एक सतत कार्यक्रम होगा और इसका केंद्र तिरुवनंतपुरम और बेंगलूरु के बीच होगा।

मिशन के प्रशिक्षण के बारे में उन्होंने कहा कि यह जोर-शोर के साथ जारी है और पूरी गगनयान टीम भारत सरकार, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और वायु सेना के ऋणी है, जिन्होंने उनका चयन किया और उन्हें प्रशिक्षित किया।

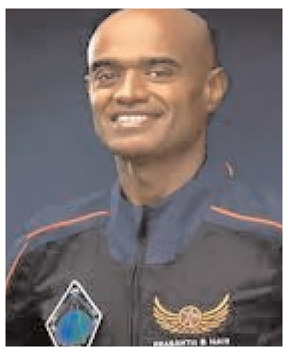

ग्रुप कैप्टन प्रशांत बालकृष्णन नायर, ग्रुप कैप्टन अंगद प्रताप, ग्रुप कैप्टन अजित कृष्णन और विंग कमांडर शुभांशु शुक्ला गगनयान दल के चार सदस्य हैं।

स्कूली बच्चों के साथ अपनी बातचीत के बारे में उन्होंने इसे एक अच्छा अनुभव बताया। ग्रुप कैप्टन प्रशांत बालकृष्णन नायर ने कहा कि उन्होंने बच्चों से गगनयान मिशन और उसके प्रशिक्षण के बारे में बात की।

इसरो के अनुसार, गगनयान कार्यक्रम का उद्देश्य तीन दिनों के लिए पृथ्वी की निचली कक्षा में मानवयुक्त अंतरिक्ष यान प्रक्षेपित करने की भारत की क्षमता का प्रदर्शन करना है।

राष्ट्रपति मुर्मू की वृंदावन यात्रा के लिए 'प्रेसिडेंट स्पेशल' के रूप में चलेगी सबसे शानदार ट्रेन

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय रेलवे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को बृहस्पतिवार सुबह नई दिल्ली के सफदरजंग रेलवे स्टेशन से मथुरा के पास वृंदावन रोड स्टेशन तक ले जाने के लिए दुनिया की सबसे शानदार ट्रेन में से एक महाराजा एक्सप्रेस का इस्तेमाल करेगा।

यह ट्रेन सर्दियों के दौरान उच्च श्रेणी के पर्यटकों के लिए भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) द्वारा संचालित की जाती है।

रेलवे के एक अधिकारी ने बताया, 18 डिब्बों वाली इस ट्रेन में महाराजा एक्सप्रेस के 12 डिब्बे होंगे, जिनमें एक प्रेसिडेंशियल सुइट, डीलक्स सुइट, रेस्तरां, लाउंज और राष्ट्रपति और उनके कर्मचारियों के लिए पावर कार शामिल होंगी। इसमें रेलवे के वरिष्ठ कर्मचारियों के लिए दो मानक एसी डिब्बे भी होंगे। उन्होंने बताया, निर्बाध सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए विशेष ट्रेन में दो इंजन लगाए जाएंगे। एक इंजन चालू रहेगा, जबकि दूसरा तकनीकी समस्याओं से निपटने के लिए रहेगा।

सूत्रों ने बताया कि ट्रेन सुबह करीब आठ बजे सफदरजंग स्टेशन से रवाना होगी और करीब 10 बजे वृंदावन रोड स्टेशन पहुंचेगी।

राष्ट्रपति कार्यालय ने एक बयान में कहा, दौरे के दौरान राष्ट्रपति मुर्मू वृंदावन में श्री बांके बिहारी मंदिर, निधिवन और कुब्जा कृष्ण मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगी। वह वृंदावन में सुदामा कुटी भी जाएंगी और मथुरा में श्री कृष्ण जन्मस्थान में दर्शन और पूजा करेंगी

एक अधिकारी ने कहा, चूंकि श्री कृष्ण जन्मस्थान मंदिर मथुरा जंक्शन के नजदीक स्थित है, इसलिए राष्ट्रपति शाम को वापसी यात्रा के लिए वहां से विशेष ट्रेन में सवार होंगी।

सूत्रों ने बताया कि रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों, स्टेशन मास्टरों, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के कर्मियों तथा अन्य संबंधित कर्मचारियों को पूरे मार्ग पर निर्धारित ड्यूटी के समय उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं।

रेलवे सूत्रों ने बताया कि प्रारंभिक और गंतव्य स्टेशन दो अलग-अलग रेलवे जोन उत्तर रेलवे और उत्तर मध्य रेलवे के अंतर्गत आते हैं और दोनों जोन को सुचारू और सुरक्षित परिचालन सुनिश्चित करने के लिए निकट समन्वय स्थापित करने का निर्देश दिया गया है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने जून 2023 में विशेष ट्रेन से यात्रा की थी, जब वह भुवनेश्वर से ओडिशा के अपने गृहनगर रायरंगपुर गईं थीं।

प्रदर्शन

ओडिशा प्रदेश महिला कांग्रेस (ओपीएमसी) की सदस्यों और समर्थकों को बुधवार को भुवनेश्वर में राज्य में महिलाओं के खिलाफ बढ़ती हिंसा के खिलाफ राज्य विधानसभा का घेराव करने के लिए प्रदर्शन मार्च निकालते समय पुलिसकर्मियों ने रोका।

चीन ने रूसी तेल खरीद पर ट्रंप की आलोचनाओं को खारिज किया, कहा- अमेरिका, ईयू भी रूस से व्यापार कर रहे

बीजिंग/भाषा। चीन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इस आलोचना को खारिज कर दिया कि भारत और चीन रूसी तेल की खरीद के जरिये यूक्रेन युद्ध के ''प्राथमिक वित्तपोषक'' हैं और बुधवार को कहा कि अमेरिका और यूरोपीय संघ (ईयू) भी मास्को के साथ व्यापार कर रहे हैं।

यहां मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने चेतावनी दी कि यदि रूस के साथ उनकी कंपनियों के सामान्य व्यापार में बाधा उत्पन्न की जाती है तो बीजिंग अपने हितों की रक्षा के लिए जवाबी कदम उठाएगा। उन्होंने ट्रंप की आलोचना को खारिज कर दिया। उन्होंने अमेरिकी नेता को याद दिलाया कि वाशिंगटन भी मास्को के साथ व्यापार कर रहा है और कहा, अमेरिका और यूरोपीय संघ सहित अनेक देश रूस के साथ व्यापार कर रहे हैं।। गुओ ने कहा कि चीनी और रूसी कंपनियों का सामान्य आदान-प्रदान और सहयोग विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के नियमों और बाजार सिद्धांतों के अनुरूप है। साथ ही उन्होंने कहा कि बीजिंग की कार्रवाई किसी तीसरे पक्ष के खिलाफ लक्षित नहीं है और इसमें हस्तक्षेप या प्रभाव डालना उचित नहीं है। उन्होंने यह भी दोहराया कि चीन ने यूक्रेन संकट पर हमेशा एक वस्तुनिष्ठ और न्यायसंगत रुख बनाए रखा है और लगातार शांति वार्ताओं का आह्वान किया है।

प्रवक्ता ने कहा, चीन अपने अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगा। मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने संबोधन में ट्रंप ने चीन और भारत पर रूसी तेल खरीद जारी रखकर यूक्रेन युद्ध के प्राथमिक वित्तपोषक होने का आरोप लगाया। उन्होंने रूस से यूरोपीय संघ के निरंतर ऊर्जा आयात की आलोचना की, लेकिन वाशिंगटन के मास्को के साथ अपने व्यापार को लेकर विशेष रूप से चुप्पी साधे रहे।

भारतीय कहानियों का असली उत्सव है नेशनल अवॉर्ड: राधिका लावु

मुंबई/एजेन्सी

एलनार फिल्म्स की क्रिटिक्स द्वारा तारीफ़ की गई हिंदी शॉर्ट फिल्म गिद्ध द स्कैवेंजर, जिसे प्रोड्यूस किया है राधिका लावु ने, 71वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड में सर्वश्रेष्ठ शॉर्ट फिल्म (हिंदी) का ख़िताब जीतकर एक बार फिर भारतीय कहानियों की ताक़त साबित कर दी है। इसमें दिग्गज अभिनेता संजय मिश्रा मुख्य भूमिका में हैं और निर्देशन अवॉर्ड-विनिंग निर्देशक मनीष सैनी ने किया है। 24 मिनट की यह फिल्म भूख और अपराध-बोध के टकराव की मार्मिक कहानी पेश करती है।

नेशनल अवॉर्ड्स भारतीय सिनेमा में सबसे बड़ी पहचान हैं और यह जीत हमारी मेहनत और जुनून की पुष्टि करती है। गिद्ध जीवन और नैतिकता के नाजुक संतुलन को दिखाती हैएक ऐसा विषय जो भाषा और सीमाओं से परे भी गूंजता है। मैं अपने विज़नरी डायरेक्टर मनीष सैनी, एक्स्ट्राऑर्डिनरी संजय मिश्रा सर और हमारी पूरी टीम का दिल से आभार व्यक्त करती हूँ, जिन्होंने इस प्रोजेक्ट में अपने दिल और आत्मा को डाल दिया।

उन्होंने आगे कहा, यह अवॉर्ड भारतीय कहानी कहने की ताक़त का जश्न है। यह एलनार फिल्म्स के मिशन को और मजबूत करता हैजो फियरलेस नैरेटिव्स और विविध आवाज़ों को दुनिया तक पहुँचाने का काम करता है।

राधिका लावु, जिन्हें भारत की प्रमुख युवा प्रोड्यूसरों में गिना जाता है और बिज़नेसवर्ल्ड 40 अंडर 40 अवॉर्ड से सम्मानित किया जा चुका है, ने एलनार फिल्म्स को एक क्रिएटिव पावरहाउस के रूप में स्थापित किया है। उनका पोर्टफोलियो शामिल है रलल्श्ररळाशव प्रोजेक्ट्स जैसे गॉड्स ऑफ धर्मपुरी (ज़ी5), अनहर्ड (डिज़्नी+ हॉटस्टार), और अदृश्य जलकंगल (नेटफ्लिक्स)। गिद्ध के साथ, वे भारतीय सिनेमा को नई ऊँचाइयों पर ले जा रही हैं। हाल ही में रिलीज़ हुई अमेज़न ओरिजिनल तेलुगु फिल्म उप्पु काप्पुरंबु, जिसमें कीर्ति सुरेश और सुहास हैं, ने दर्शकों का दिल जीत लिया। एलनार फिल्म्स आगे भी विभिन्न भाषाओं और शैली की कहानियाँ प्रस्तुत करने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसमें आने वाले प्रोजेक्ट्स हैं द्विजा (मलयालम) और मिनिमम (हिंदी)। फिल्म की कहानी ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी तारीफ़ बटोरी हैशॉर्ट शॉर्ट्स फिल्म फेस्टिवल एंड एशिया 2023 में बेस्ट शॉर्ट अवॉर्ड, अकादमी अवॉर्ड्स के लिए क्वालिफ़ाई, एलए शॉर्ट्स इंटरनेशनल, क्रिटिक्स चॉइस अवॉर्ड्स (दो पुरस्कार), बेंगलुरु इंटरनेशनल, और रोड आइलैंड इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल्स में भी चयन। राधिका लावु, एलनार फिल्म्स की फाउंडर और प्रोड्यूसर ने कहा, 71वें नेशनल अवॉर्ड को पाना हमारे लिए बेहद गर्व की बात है।

सलमान खान के घर पर गोलीबारी : बिश्नोई गिरोह के सदस्य की जमानत याचिका खारिज

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुंबई की एक विशेष अदालत ने पिछले साल अभिनेता सलमान खान के आवास पर हुई गोलीबारी की घटना के सिलसिले में गिरफ्तार किए गए लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के एक कथित सदस्य को जमानत देने से सोमवार को इनकार कर दिया। महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) अदालत के न्यायाधीश महेश जाधव ने मोहम्मद रफीक सरदार चौधरी की ज़मानत याचिका खारिज कर दी। विस्तृत आदेश अभी उपलब्ध नहीं कराया गया है। मुंबई के बांद्रा पश्चिम में सलमान खान के गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर 14 अप्रैल 2024 की सुबह बाइक सवार दो व्यक्तियों विक्की गुप्ता और सागर पाल गोलीबारी कर फरार हो गए थे।

'कांतारा: चैप्टर 1' में राजकुमारी कनकवती की भूमिका में नजर आयेंगी रुक्मिणी वसंत

मुंबई/एजेन्सी

दक्षिण भारतीय फिल्म अभिनेत्री रुक्मिणी वसंत फिल्म कांतारा: चैप्टर 1 में राजकुमारी कनकवती की भूमिका में नजर आयेंगी। होम्बले फिल्म्स की ऋषभ शेट्टी स्टारर कंतारा: चैप्टर 1 का ट्रेलर हाल ही में रिलीज किया गया है। ट्रेलर में रुक्मिणी वसंत, राजकुमारी कनकवती की भूमिका में नजर आ रही हैं।फ़िरोज़ी रंग की सुनहरी बॉर्डर वाली ओढ़नी, गहनों से लदा-फदा शाही शृंगार भारी हार, चूड़ियों की कतार, झुमके, बाजूबंद, कमरपट्टा, नथनी और मांगटीका इन सबमें रुक्मिणी का अंदाज़ बिल्कुल अमर शान का एहसास कराता है। हल्का-सा चमकीला श्रृंगार और नन्हीं बिंदी उनकी गरिमा और दमख़म का परफ़ेक्ट संतुलन दिखाते हैं। रुक्मिणी वसंत ने कहा, , मेरे लिए राजकुमारी कनकवती की यात्रा ज़िंदगी की सबसे ख़ास राह रही। सिर्फ़ शाही दिखना मक़सद नहीं था बल्कि हर हाव-भाव में अपनी मिट्टी, अपनी लोककथा और अपनी आस्था को जीना था। शायद इसी वजह से ट्रेलर इतना असरदार बन पड़ा, क्योंकि इसमें पूरी संस्कृति की रूह चमक रही है। कनकवती शाही हैं, हाँ, लेकिन साथ ही इंसानी और संवेदनशील भी। मुझे उनकी गरिमा के साथ-साथ उनका जज़्बा भी अपनाना पड़ा। अब बेसब्री से इंतज़ार है कि लोग उन्हें सिनेमा घरों में देखें। 'कंतारा: चैप्टर 1' ,दो अक्टूबर को दुनिया भर में कन्नड़, हिंदी, तेलुगु, मलयालम, तमिल, बंगाली और अंग्रेजी भाषाओं में रिलीज होगी।

मुझे अपने देश पर अटूट विश्वास है,अब समय आ गया है कि हम दुनिया को दिखाएं कि हम कितने सक्षम हैं : अभिषेक बच्चन

मुंबई/एजेन्सी

जैसे-जैसे भारत एशिया कप और एशियन गेम्स में शानदार जीत हासिल कर रहा है, अभिषेक बच्चन देश की एंटरप्रेन्योर और खेल की भावना का जश्न मनाने वाली एक सशक्त आवाज़ बनकर उभरे हैं। सिनेमा से हट कर, उन्होंने एक जुनूनी खेल प्रेमी और 'मेक इन इंडिया' के इडिया में गहरा विश्वास रखने वाले समर्थक के रूप में अपनी प्रतिष्ठा बनाई है। प्रो कबड्डी लीग की सबसे प्रतिष्ठित टीमों में से एक, जयपुर पिंक पैंथर्स का उनका स्वामित्व इसी विश्वास को दर्शाता है। जब उनसे सिनेमा से बाहर उनके सबसे संतोषजनक कदम के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने बिना हिचक अपनी टीम का ज़िक्र कियाएक ऐसा प्रयास जो उनकी सोच को पूरी तरह दर्शाता है। उनकी प्रो कबड्डी लीग टीम। पैंथर्स, जो लगातार बड़ी होती फैनबेस को प्रेरित कर रही है, इस बात का प्रतीक हैं कि कैसे कबड्डी जैसे स्वदेशी खेल को वैश्विक मंच पा सकता है।

लेकिन उनका विज़न केवल कबड्डी तक सीमित नहीं है। वहदाम टीज़ और नागिन सॉस जैसे घरेलू ब्रांड्स में निवेश के ज़रिए अभिषेक लगातार भारत की श्रेष्ठता से जुड़ी पहलों को समर्थन दे रहे हैं। उन्होंने कहा,चाहे वह कबड्डी हो, या वहदाम टीज़, या नागिन सॉस, या फिर कोई भी चीज़ जिसमें मैं और हमारा फैमिली ऑफिस शामिल हैंउसका बड़ा हिस्सा 'मेक इन इंडिया' की सोच से प्रेरित है। और यह एक ऐसी सोच है, जिस पर मैं विश्वास करता हूं। साथ ही, अभिषेक अपने अभिनय में भी लगातार रचनात्मक सीमाओं को आगे बढ़ा रहे हैं। गुरु और ब्लफ़मास्टर जैसी प्रशंसित फिल्मों से लेकर 'दसवीं,' 'लूडो,' 'बॉब बिस्वास,' 'कालीधर लापता' और 'घूमर' जैसी हालिया हिट फिल्मों तक, उनकी फ़िल्मोग्राफी एक दुर्लभ संतुलन को दर्शाती हैमुख्यधारा की लोकप्रियता के साथ-साथ ऐसी दमदार अदाकारी, जिसे आलोचकों की भी सराहना मिलती है। इतने विविध कार्यों के साथ, 2025 उनकी सिनेमाई यात्रा में एक निर्णायक वर्ष साबित हो रहा है।

चाहे वह सिनेमा हो, खेलों की टीम का स्वामित्व या भारतीय मूल के व्यवसायों में निवेशअभिषेक बच्चन एक व्यापक सोच का प्रतिनिधित्व करते हैं: भारत की असली ताकत अपनी संस्कृति से जुड़े रहते हुए वैश्विक मंच पर इनोवेशन करने, प्रेरणा देने और प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता में निहित है। अभिषेक ने हाल ही में एक बातचीत में इस बात पर ज़ोर देते हुए कहा, मुझे अपने देश, हमारी क्षमताओं और योग्यताओं पर अपार विश्वास है। और मुझे लगता है कि अब समय आ गया है कि हम दुनिया को दिखाएँ कि हम क्या कर सकते हैं।

मोदी और योगी आदित्यनाथ भगवान के बंदे, इनका इरादा गलत नहीं हो सकता: बिंदु दारा सिंह

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता बिंदु दारा सिंह हाल ही में बिहार के दौरे पर थे। उन्होंने बिहार के मौजूदा हालात, पीएम मोदी की वैश्विक छवि, जीएसटी सुधारों के बारे में विस्तार से चर्चा की। बिंदु दारा सिंह ने कहा कि बिहार में पीएम नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता और उनकी नीतियों की गूंज हर तरफ सुनाई दे रही है। उन्होंने कहा, मोदी जी की गूंज न सिर्फ बिहार या भारत तक सीमित है, बल्कि यह अमेरिका जैसे देशों तक पहुंच रही है। पहले दुनिया अमेरिका की बात सुनती थी, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने पूरी दुनिया को दिखा दिया है कि भारत पहले आता है। 'इंडिया फर्स्ट' उनकी नीति है और वह हर कदम पर देशहित को प्राथमिकता देते हैं। उन्होंने भारत-रूस संबंधों की तारीफ करते हुए कहा कि पीएम मोदी ने वैश्विक मंच पर भारत की ताकत को स्थापित किया है। भारत और रूस के बीच गहरी दोस्ती है और यह दुनिया को दिखाई दे रहा है।

अभिनेता बिंदु दारा सिंह ने कहा कि अगर भारत, रूस और चीन जैसे देश एक साथ मिलकर एक मजबूत गठजोड़ बनाएं, तो हमें किसी की जरूरत नहीं पड़ेगी। ब्रिक्स में जितनी सारी कंट्रीज पीसफुल हैं, जो प्यार से और अमन शांति से रहती हैं, वे सब ब्रिक्स को जॉइन कर लें और ब्रिक्स पीसफुल हो जाए, क्योंकि अभी ये वॉर-वॉर बहुत गलत है। वैश्विक हालात पर चिंता जताते हुए बिंदु दारा सिंह ने कहा कि दुनिया में युद्ध और हिंसा का माहौल सही नहीं है। आजकल कोई भी देश किसी पर भी मिसाइल दाग देता है। यह गलत है। भारत ने पाकिस्तान के साथ दो दिन में युद्ध खत्म कर दिया और शांति स्थापित की। यह हमारी ताकत है। हमें युद्ध नहीं, बल्कि शांति चाहिए।

बिंदु दारा सिंह ने पीएम नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि दोनों नेता देश और समाज के लिए समर्पित हैं। दोनों पर आरोप लगाना गलत है। ये दोनों भगवान के बंदे हैं, जो देश के लिए दिन-रात मेहनत करते हैं। इनका इरादा कभी गलत नहीं हो सकता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा हाल ही में पेश किए गए नेक्स्ट जेनरेशन जीएसटी सुधारों पर बिंदु दारा सिंह ने अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि जीएसटी ने भारत की अर्थव्यवस्था को गति दी है, लेकिन इसमें अभी और सुधार की जरूरत है। उन्होंने कहा, जीएसटी एक जटिल विषय है। 28% टैक्स दर बहुत ज्यादा थी, जिससे कारोबारियों को परेशानी हुई। मैं चाहता हूं कि जीएसटी को सरल बनाया जाए और एक फ्लैट रेट, जैसे 5% या 10%, लागू हो। इससे कारोबारियों को राहत मिलेगी और कन्फ्यूजन खत्म होगा।

उन्होंने कहा, हमारे पास पूरे भारत में 8500 सैलून का कारोबार है। जीएसटी की जटिलताओं की वजह से हमें इनपुट टैक्स क्रेडिट और अन्य मुद्दों में दिक्कत होती है। अगर जीएसटी को और सरल किया जाए, तो यह कारोबारियों के लिए वरदान होगा। उन्होंने वित्त मंत्री की तारीफ करते हुए कहा, निर्मला सीतारमण ने शानदार काम किया है। पहले हमें लगता था कि क्या फाइनेंस मिनिस्टर है, लेकिन अब लगता है कि वाह, क्या काम कर रही हैं। सरकारी खजाना भरा हुआ है और यह देश की प्रगति का सबूत है। बिंदु दारा सिंह ने उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम बृजेश पाठक के साथ अपनी हालिया मुलाकात का जिक्र भी किया। उन्होंने बताया कि वे बृजेश पाठक को अयोध्या में होने वाली रामलीला में आमंत्रित करने गए थे। उन्होंने कहा, बृजेश पाठक हमारे लिए परिवार की तरह हैं। वे सुबह 5 बजे से रात 1 बजे तक काम करते हैं। उनकी मेहनत और समर्पण गजब का है। उन्होंने बताया कि इस बार अयोध्या की रामलीला में रावण दहन का कार्यक्रम बृजेश पाठक करेंगे। हमने उन्हें न्योता दिया है और वे इस बार रामलीला में शामिल होंगे। यह हमारे लिए गर्व की बात है।

छोरियाँ चली गाँव में कृष्णा श्रॉफ बनी छोरी नंबर 1 साथ ही घर की मालकिन भी बनी

मुंबई/एजेन्सी

ज़ी टीवी के रियलिटी शो 'छोरियां चली गांव' में कृष्णा श्रॉफ के लिए यह दिन दोहरी जीत लेकर आया। वह सिर्फ 'छोरी नंबर 1' ही नहीं बनीं, बल्कि पहली बार घर की 'मालकिन' के रूप में भी उभरीं। हाल ही में हुए शो के 'महा परीक्षा' राउंड में कृष्णा ने अपनी टीम मेट, बेस्ट फ्रेंड और प्रतियोगी एरिका पैकार्ड के साथ मिलकर अंजुम फकीह और समृद्धि मेहरा के खिलाफ ज़बरदस्त मुकाबला किया।

शो में उनका सफर एकदम 360 डिग्री बदलाव जैसा रहा हैशुरुआत में जो कृष्णा थी, और जो अब बनी हैंउनमें ज़मीन-आसमान का फर्क है। और दिलचस्प बात ये है कि उन्होंने खुद पहले ही ये भविष्यवाणी कर दी थी। लेकिन यह जीत सिर्फ़ ताकत की नहीं थी। यह एक फुल सर्कल मोमेंट था। शो की शुरुआत से ही कृष्णा श्रॉफ ने दर्शकों को अपने परिवर्तन से चौंकाया हैअपनी सीमाएं लांघकर, सच्चाई के साथ टिके रहकर, और ऐसी नेतृत्व क्षमता और आत्मबल दिखाकर जिसकी किसी ने उम्मीद नहीं की थी।

उनका यह सफर न सिर्फ दर्शकों बल्कि बमुलिया गांव के लोगों के दिलों को भी छू गया है, जिन्होंने उन्हें अब अपने परिवार जैसा अपनाया है। ऑनलाइन भी, नेटिज़न्स और प्रशंसक उन्हें शो की सबसे मज़बूत और सबसे प्रामाणिक दावेदारों में से एक बता रहे हैं, और हफ़्ते-दर-हफ़्ते लगातार उनका समर्थन कर रहे हैं। इस राउंड का नाम था 'खींच पकड़ के'यानी रस्साकशी का खेल। दो ज़बरदस्त मुकाबले और कड़ी मेहनत के बाद, कृष्णा और एरिका ने जीत हासिल की और साबित कर दिया कि वे घर की सबसे मज़बूत जोड़ियों में से एक क्यों हैं। और जैसा कि हम कह सकते हैंयह जीत पूरी तरह से सही इंसान के हिस्से आई। कृष्णा न सिर्फ फिर से 'छोरी नंबर 1' बनीं, बल्कि पहली बार घर की मालकिन भी बन गईं।

RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में जीरावला पार्श्वनाथ सभागृह में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए आचार्य विमलसागरसूरीजी ने कहा कि धर्म और संस्कृति की परंपराओं को पवित्र व जीवंत रखना अत्यंत आवश्यक है।

वर्तमान समय को सार्थक बनाएं : उपप्रवर्तक नरेशमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मागडी रोड़ स्थित गुरु ज्येष्ठ पुष्कर दरबार में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए उपप्रवर्तक नरेशमुनिजी ने भगवान महावीर की अंतिम देशना श्री उत्तराधययन सूत्र के चौथे अध्ययन पर विवेचना करते हुए कहा कि वर्तमान समय को सार्थक बनाएं। हमारा वर्तमान सार्थक हो गया तो समझो आपका भविष्य भी ठीक, सुधर जाएगा। जो प्राप्त समय का सदुपयोग कर लेता है उसे अपने जीवन के अंतिम समय में पछताना नहीं पड़ता है। संसार में सबसे ज्यादा मूल्यवान वस्तु कोई है तो वह समय है। समय सबसे बड़ी संपत्ति है क्योंकि जैसे बहता पानी वापस नहीं आता, वैसे ही जो समय बीत गया वह भी बाद में किसी भी कीमत पर वापस आने वाला नहीं है।ॠनरेशमुनिजी ने कहा कि जो समय को जानता है वही पंडित है। जो दान, सेवा, परोपकार, धर्म की आराधना आदि में अपने समय का सदुपयोग का लेता है उसी का जीवन श्रेष्ठ बन जाता है। वह साधक आत्मा यहां भी सुख शान्ति को प्राप्त करती है और परलोक में भी उसे सब तरह की सुख शांति समृद्धि की प्राप्ति होती है।

भगवान महावीर ने अपने प्रधान प्रमुख शिष्य गणधर गौतम स्वामी को संबोधित करते हुए जगत के जीवों को यही संदेश दिया है कि समय मात्र का भी प्रमाद मत करो। जो श्रेष्ठ कार्य आपको करना है उसे शीघ्र कर लेना चाहिए। अच्छे कार्य को करने में साधक को विलम्ब नहीं करना चाहिए। पूर्व भव की पुण्यवानी से प्राप्त अनमोल मानव जीवन की महत्ता को समझें और इसे सार्थक बनाने का सम्यक चिंतन करते हुए धर्म साधना आराधना करके दुर्लभ मानव जीवन को सफल बनाने की दिशा में सतत जागरूक रहते हुए सम्यक पुरुषार्थ पराक्रम करें।

प्रारंभ में श्री शालिभद्रमुनिजी ने निर्जरा भावना पर विचार व्यक्त करते हुए कहा कि ज्ञान की पूर्णता घनघाति कर्मों के क्षय होने पर ही हो सकती है।उनका क्षय दो प्रकार से होना चाहिए, प्रथम तो नए कर्मों का आना रुक जाए और दूसरा भूतकाल में बंधे हुए कर्मों का अन्त कर दिया जाय। पहले प्रकार को संवर कहते है और दूसरे को निर्जरा। उन्होंने आगे साधारणतया कर्म की तीन अवस्थाएं, बंध अवस्था, सत्ता अवस्था और उदय अवस्था की व्याख्या प्रस्तुत करते हुए कार्यक्रम का संचालन किया।

त्योहारी सीजन की खुशियां दोगुनी करने आ रही हाई लाइफ प्रदर्शनी

कल से द ललित अशोक में होगी शुरू

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। त्योहारी सीजन की शुरुआत के साथ, बेंगलूरु में हाई लाइफ प्रदर्शनी एक बार फिर धूमधाम से लौट रही है। यह शानदार प्रदर्शनी 26, 27 और 28 सितंबर को द ललित अशोक में आयोजित होगी। इस मौके पर फैशन, लक्जरी और परंपरा का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। इस प्रदर्शनी में नवरात्र के विविध रंगों को जीवंत करने वाली खास डिजाइनर पोशाकें, शानदार ब्राइडल कॉउचर, उत्कृष्ट आभूषण और लाइफस्टाइल एक्सेसरीज की विशेष सीरीज पेश की जाएगी।

यहां पारंपरिक और आधुनिक शैली का संतुलन बनाते हुए हर प्रॉडक्ट कला का अद्भुत नमूना होगा। चाहे आप त्योहारों के लिए परिधान ढूंढ़ रहे हों या स्टाइलिश ब्राइडल कॉउचर और फैशनेबल एक्सेसरीज तलाश रहे हों, यह प्रदर्शनी हर फैशन प्रेमी के लिए खास अनुभव लेकर आ रही है।

बेंगलूरु की प्रतिष्ठित लाइफस्टाइल और फैशन प्रदर्शनी के रूप में मशहूर हाई लाइफ न केवल फैशन का उत्सव है, बल्कि उन लोगों के लिए भी एक सुनहरा अवसर है, जो इस त्योहारी सीजन में अपने फैशन को नए आयाम देना चाहते हैं।

नवरात्रि शक्तियों की साधना का समय है, मौज मस्ती का नहीं : आचार्य विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में जीरावला पार्श्वनाथ सभागृह में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए आचार्य विमलसागरसूरीजी ने कहा कि धर्म और संस्कृति की परंपराओं को पवित्र व जीवंत रखना अत्यंत आवश्यक है। इस चुनौतीपूर्ण कार्य की सबसे अधिक जिम्मेदारी उस-उस धर्म के आचार्यों, संतों और नायकों की हैं। धर्म जब अलग-अलग पंथों व मान्यताओं में खंड-खंड बिखर जाता है और उसके रक्षक धर्माचार्य, संत या नायक जब उदासीन एवं स्वकेन्द्रित बन जाते हैं तो धर्म की परंपराएं मलिन बनने लग जाती हैं। एक समय ऐसा आता है कि हमारी गौरवशाली परंपराएं खंडित या नष्ट हो जाती हैं, इसी तरह सांस्कृतिक ह्रास होता है। इतिहास साक्षी है कि धर्म और संस्कृति को बचाने के लिए पूर्व के धर्माचार्यों ने अपने प्राणों की आहुतियां दी हैं। आधुनिक युग धर्माचार्यों एवं धर्मनायकों के लिए सबसे कठिन चुनौतियों का समय है। इधर भरपूर तकनीकी विकास हो रहा है। सोशल मीडिया का प्रसार-प्रचार चरम पर है। ऐसे में पश्चिम की हवा सभी को प्रभावित कर रही है और वहां के अंधानुकरण में धर्म व संस्कृति की प्राचीन परंपराओं को सुरक्षित रखना अब बहुत मुश्किल हो गया है। कभी-कभी ऐसा लग रहा है कि पश्चिम के समक्ष पूरब हार जाएगा। नवरात्रि का पर्व इसका ज्वलंत उदाहरण है।

जैनाचार्य ने चिंता जताते हुए कहा कि डांडियों के आधार पर अब नवरात्रि त्योहार नाच-गान और विजातीय मज़ाक-मस्ती का इवेंट बन गया है। अनेक संस्थाएं, कंपनियां और श्रद्धाभ्रष्ट लोग इसमें कूद गए हैं। संपूर्ण त्योहार को हाइजेक कर लिया गया है। नवरात्रि की मूल भावना और रहस्यों की किसी को परवाह नहीं है। अधिकतर लोगों को नवरात्रि के बारे में कुछ भी पता नहीं है। उनके लिए यह एक एंजॉय करने का अवसर है, जिसकी युवक-युवतियां महीनों से प्रतीक्षा करते हैं। समग्र हिन्दू समाज और उनके धर्माचार्य इस संदर्भ में उदासीन रहे हैं। कुछ वर्षों बाद यह पूरी तरह भुला दिया जाएगा कि नवरात्रि हिन्दू परंपरा का कोई ऐतिहासिक त्योहार था भी, इस कदर सांस्कृतिक पतन होता जा रहा है। मासूम निर्दोष कन्याओं में विवेक का अभाव और उनके परिवारजनों की लापरवाही के चलते नवरात्रि के डंडियों के कारण हजारों जिंदगियां दुराचार के पथ पर अग्रसर हो रही हैं। अनेकानेक विवाहिताओं के जीवन बर्बाद हो रहे हैं। विवाहेतर संबंध बनते जा रहे हैं। इस सबके सर्वेक्षण खतरनाक भविष्य के संकेत दे रहे हैं। सदाचार का यह पतन समग्र समाज के लिए भयावह और दुःखदायी है। यह भारतीय सामाजिक और पारिवारिक व्यवस्थाओं का विनाश कर देगा। नवरात्रि के डांडियों के आयोजकों और प्रायोजकों को सामाजिक सुरक्षा, उन्नति या सदाचार की कोई चिंता नहीं है। पूरे त्योहार का व्यवसायीकरण कर दिया गया है। रुपया, नाचगान, उन्मुक्तता और एन्जॉय ही भगवान है, ऐसा मान लिया गया है। इस विकट परिस्थिति में धर्मनायक और धर्म की बड़ी-बड़ी संस्थाएं निद्राधीन लगती हैं। कोई कहीं आवाज नहीं उठा रहे हैं। जैसा चल रहा है, सब उसे चलने दे रहे हैं। इस संदर्भ में इस्लाम, ईसाईयत, यहूदी और सिख समाज से सीखने जैसा है। वे अपने धर्म और संस्कृति की मूल परंपराओं को न तो बदलते हैं और ना ही किसी को बदलने देते हैं। आज यदि पूछा जायें कि नवरात्रि की प्राचीन परंपराओं को जीवंत रखने का दायित्व किसका है तो उत्तर मिलेगा कि इसका कोई मालिक या दिशानिर्देशक नहीं है। जिसको जैसा मन मे आए, वैसा किया जा सकता है।

आचार्य विमलसागरसूरीजी ने कहा कि नव दैविक शक्तियों की व्रत-उपासना और आराधना के लिए नवरात्रि का पर्व हैं। यह सत्व, शक्ति, सदाचार, पवित्रता और मंगल-कल्याण का पर्व है। वैदिक और जैन शास्त्रों में ऐसे उल्लेख मिलते हैं कि मंत्रों और दैविक शक्तियों की साधना के लिए नवरात्रि सर्वश्रेष्ठ समय होता है। सात्विक आहार, शुद्ध विचार और ब्रह्मचर्य पूर्वक इन दिनों साधना कर सिद्धियां प्राप्त की जा सकती हैं। ऐसे मंगलकारी दिनों को उद्भट वस्त्र पारिधन, विजातियों के साथ देर रात तक नाच,गाना, असात्विक आहार और अपवित्र विचारों के साथ एन्जॉय करना कितना निकृष्ट, पापप्रद, भयानक और दुर्भाग्यपूर्ण है। प्रत्येक हिन्दू को हर हालत में नवरात्रि को पवित्र रखने का आंदोलन चलाना चाहिए, तभी हमारी संस्कृति और धर्म की रक्षा संभव हो सकेगी।

यह सम्मान मेरे लिए बहुत मायने रखता है: पहली बार राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने पर बोलीं रानी मुखर्जी

नई दिल्ली/भाषा। अभिनेत्री रानी मुखर्जी ने बुधवार को कहा कि 30 साल के करियर का पहला राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीतना एक भावुक क्षण है और उन्होंने यह सम्मान अपने दिवंगत पिता राम मुखर्जी को समर्पित किया।

मंगलवार को 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रानी मुखर्जी को उनकी फिल्म 'मिसेज चटर्जी वर्सेस नॉर्वे' में उनके अभिनय के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार प्रदान किया। आशिमा चिब्बर द्वारा निर्देशित यह फिल्म मार्च 2023 में रिलीज होगी।

रानी (47) ने कहा एक अभिनेत्री के रूप में अपने 30 साल के सफर में पहला राष्ट्रीय पुरस्कार पाकर मैं सचमुच अभिभूत हूं। यह सम्मान मेरे लिए बहुत मायने रखता है, और मैं इसे अपने दिवंगत पिता को समर्पित करना चाहती हूं, जिन्होंने हमेशा मेरे लिए यह सपना देखा था।

अभिनेत्री ने एक बयान में कहा, आज मुझे उनकी बहुत याद आ रही है और मैं जानती हूं कि यह उनका आशीर्वाद और मेरी मां की निरंतर शक्ति और प्रेरणा है, जिसने मुझे श्रीमती चटर्जी की भूमिका निभाने में मार्गदर्शन दिया। उन्होंने अपने प्रशंसकों और 'मिसेज चटर्जी वर्सेस नॉर्वे' के कलाकारों और फिल्म से जुड़े सभी लोगों के प्रति भी आभार व्यक्त किया। यह फिल्म नॉर्वे में रहने वाली एक भारतीय मां देबिका चटर्जी (मुखर्जी) की कहानी है, जो अपने बच्चों से जबरन अलग कर दिए जाने के बाद उनका संरक्षण वापस पाने के लिए प्रशासन से लड़ती है।

रानी मुखर्जी ने कहा, मेरे अविश्वसनीय प्रशंसकों, हर उतार-चढ़ाव में मेरे साथ खड़े रहने के लिए आपका धन्यवाद। आपका अटूट प्यार और समर्थन मेरी सबसे बड़ी प्रेरणा रहा है।

मैं जानती हूं कि यह पुरस्कार आप सभी के लिए कितना मायने रखता है, और यह देखकर मुझे बहुत खुशी और आनंद मिलता है कि आप कितने खुश हैं। उन्होंने कहा, 'मिसेज चटर्जी वर्सेस नॉर्वे' की पूरी टीम ने इस कहानी में काफी मेहनत की और मैं उनमें से प्रत्येक के प्रति बहुत आभारी हूं।

फिल्म को दुनिया भर की सभी माताओं के लिए एक श्रद्धांजलि बताते हुए मुखर्जी ने कहा कि यह भूमिका एक मां के रूप में व्यक्तिगत रूप से उनके साथ जुड़ी हुई है। उन्होंने आगे कहा, यह फिल्म एक अप्रवासी मां के अटूट साहस को दर्शाती है, जो अपने बच्चे की रक्षा के लिए विदेशी धरती पर सभी बाधाओं से लड़ती है। एक मां होने के नाते, यह भूमिका मेरे लिए बेहद निजी थी। इस फिल्म के माध्यम से, हमने मातृत्व की भावना का सम्मान करने की कोशिश की है और मुझे उम्मीद है कि यह फिल्म महिलाओं के भीतर हर दिन मौजूद शांत शक्ति की याद दिलाएगी।

तेरापंथ भवन में 'सम्यक दर्शन कार्यशाला' का आयोजन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय तेरापंथ युवक परिषद, बेंगलूरु द्वारा आचार्य भिक्षु त्रिशताब्दी वर्ष के अंतर्गत आचार्य भिक्षु पुस्तक पर आधारित 'सम्यक दर्शन कार्यशाला-2025' का आयोजन तेरापंथ भवन में मुनि डॉ पुलकित कुमारजी के सान्निध्य में चल रहा है। मुनिश्री के सान्निध्य और मार्गदर्शन ने सभी प्रतिभागियों को गहन आध्यात्मिक अध्ययन और आत्मचिंतन का अवसर प्रदान किया। कार्यशाला का आधार मुनि बुद्धमलजी स्वामी द्वारा लिखित ग्रंथ आचार्य भिक्षु है। कार्यशाला के समापन पर ऑनलाइन परीक्षा होगी। इस आयोजन से युवा शक्ति को न केवल सम्यक दर्शन का मर्म समझने का अवसर मिला, बल्कि आचार्य भिक्षु के विचारों को आत्मसात कर आध्यात्मिक जीवन को सशक्त बनाने की प्रेरणा भी प्राप्त हुई। इस पूरे कार्यक्रम में संयोजक अमित भंडारी एवं दीपक गादिया ने कार्यशाला आयोजन में विशेष भूमिका निभाई।

पुरस्कार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के बसवनगुड़ी स्थित विजया महाविद्यालय द्वारा दो दिवसीय अंतर महाविद्यालय वाणिज्य एवं प्रबंधन उत्सव विन्यास 2025 का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। मुख्य अतिथि के रूप में परमेश्वर, महेंद्र मुणोत, लक्ष्यराज एवं समारोह अध्यक्ष श्रीधर ने विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया।

मानव में जो विशेषता होती है वह किसी में नहीं : संतश्री ज्ञानमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने कहा कि मानव में जो विशेषता होती है वह किसी में नहीं होती है। जानवर के सामने कुछ भी रखो, वह खा लेगा। लेकिन मानव ऐसा नहीं करता है। मानव हर जगह श्रेष्ठ, सुंदर बढ़िया ग्रहण करने व खाने की कोशिश करता है। मानव अगर खरीदारी भी करने जाता है तो भी बेहतर की तलाश में रहता है। मनुष्य को अगर बाहर खाना भी खाना है तो वह अच्छे से अच्छा होटल तलाश करता है।

खाने-पीने रहने और पहनने को लेकर मानव सबसे अलग है। उसके मन की यही विशेषता है। मानव सामान्य चीज नहीं देखता है। हमेशा श्रेष्ठ ही देखता है। अगर ऐसे ही जीवन के कल्याण को लेकर मानव सोचे तो आत्मा का कल्याण हो जाए। जीवन का सच्चा सार धर्म से प्यार करने में ही है। धर्म से प्यार करोगे तो जीवन चमक उठेगा। जैसे मनुष्य को हर चीज बेहतर चाहिए होता है, वैसे ही धर्म में भी ध्यान लगाना चाहिए। मनुष्य के पास समय बहुत कम है और उसमें भी कई तरह की समस्याएं हैं। इसलिए अगर समय मिला है तो धर्म कर लेना चाहिए। संसार का सब मामला गड़बड़ है। प्राकृतिक आपदा आते ही सब एक पल में खत्म हो जाता है।

इसलिए दो दिन की जिंदगी को संसार में ही नहीं लगा देना चाहिए। जैसे संसार में रह कर मनुष्य अच्छे से अच्छा तलाश करता है, वैसे ही धर्म ध्यान में भी लग कर आत्मा का कल्याण कर लेना चाहिए। एक बार यह मानव भव गया तो लाख कोशिश के बाद भी कर्मों से छुटकारा नहीं मिलने वाला हैं। वर्तमान में मनुष्य आमदनी कम है और पैर ज्यादा पसार लेता है। उसके बाद परेशानी आनी शुरू हो जाती है। मनुष्य को जितनी कमाई है, उतना ही खर्च करना चाहिए। हर काम सोच विचार करके ही करना चाहिए। बिना सोचे कोई काम नहीं करना चाहिए।

क्रोध आने पर शांत रहना चाहिए। क्रोध आए तो मनुष्य को थोड़ा रुक जाना चाहिए। जब मानव धर्म से सच्चा प्यार करता है तो वह इन चीजों पर नियंत्रण करना शुरू कर देता है, इसलिए मानव को धर्म से प्यार कर के जीवन को बदलने का प्रयास करना चाहिए। अध्यक्ष प्रकाशचंद कोठारी ने सभी का स्वागत किया। संचालन महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने किया।

महापुरुषों के गुणगान करने से भी हमारी आत्मा पवित्र व निर्मल बनती है : डॉ वरुणमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय गुजराती जैन संघ गांधीनगर में चातुर्मास विराजित डॉ वरुण मुनिजी ने अपने प्रवचन में कहा कि महापुरुषों के गुणगान, नाम स्मरण करने से भी हमारी जिव्हा पवित्र बनती है और आत्मा में शुभ भावों का संचार होता है, जिससे हमारी आत्मा भी पवित्र, निर्मल और शुद्ध बनती है। तीर्थंकर परमात्मा और महापुरुषों का गुणगान करने सेङ्गहमारी आत्मा में उत्कृष्ट रसायन आ जाएं तो महान तीर्थंकर गौत्र शुभ कर्म का उपार्जन भी हमारी आत्मा कर सकती हैं। वरुणमुनिजी ने बताया कि उत्तर भारतीय प्रवर्तक गुरुदेवश्री अमरमुनिजी की प्रेरणा से सितम्बर माह में आत्म-शुक्ल-शिव जयंती के अवसर पर विश्व शांति जप महोत्सव का आयोजन किया जाता है। संतश्री ने कहा कि इस वर्ष यह आयोजन इसलिए विशेष है कि इस अवसर पर नौ-नौ महापुरुषों के गुणानुवाद करने का अवसर मिल रहा है। उपप्रवर्तक पंकजमुनिजी के सान्निध्य में वरुणमुनिजी की प्रेरणा से पांच अक्टूबर को सरदार पटेल भवन वसंतनगर में विश्व शांति जप और 9 महापुरुषों का गुणानुवाद कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। ङ्गमुनिश्री ने बताया कि उनमें सर्वप्रथम हैं श्रमण संघ के प्रथम पट्टधर आचार्यश्री आत्मारामजी जो कि ज्ञानज्योति से संपन्न महापुरुष थे। उनकी ज्ञान चेतना में जैन जैनेतर वांग्मय की विशाल ज्ञान राशियां लहलहाती थी, इसलिए उनको जगत ने 'आगम महोदधि और आगम रत्नाकर' तुल्य श्रेष्ठ अलंकरणों से अलंकृत किया था। उनके दिशा-दर्शन में अधिकांश स्थानकवासी मुनि परम्पराए एक सूत्र में बद्ध होकर एकाकार हुई। सम्प्रदाय सरिताओं के मिलन से श्रमण संघ नामक महान संघ का उदय हुआ। इस महान धर्म संघ के वे प्रथम पट्टधर आचार्य के रूप में सर्व मान्य शास्ता नियुक्त हुए। आचार्यश्री अमर सकल गुणों के धाम व अनुपममेय महापुरुष थे। अंत में उपप्रवर्तक श्री पंकजमुनि जी ने सबको मंगल पाठ प्रदान किया।

ट्रंप से मिलने के लिए वाशिंगटन जाएंगे पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ बृहस्पतिवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मिलने के लिए न्यूयॉर्क से वाशिंगटन जाएंगे। दोनों पक्ष अपने द्विपक्षीय संबंधों को फिर से स्थापित करने के लिए नए सिरे से प्रयास कर रहे हैं। शहबाज संयुक्त राष्ट्र महासभा सत्र में भाग लेने के लिए न्यूयॉर्क में हैं। 'एक्सप्रेस ट्रिब्यून' समाचार पत्र ने बुधवार को राजनयिक सूत्रों के हवाले से खबर दी है कि वह राष्ट्रपति ट्रंप से मिलने के लिए न्यूयॉर्क से वाशिंगटन की संक्षिप्त यात्रा करेंगे।

खबर में कहा गया है कि वह उसी दिन यूएनजीए के अपने कार्यक्रम को जारी रखने के लिए न्यूयॉर्क लौट आएंगे। जुलाई 2019 के बाद से यह अमेरिकी राष्ट्रपति और पाकिस्तानी प्रधानमंत्री के बीच व्हाइट हाउस में पहली मुलाकात होगी। तब तत्कालीन प्रधानमंत्री इमरान खान ने वाशिंगटन में राष्ट्रपति ट्रंप से मुलाकात की थी।ट्रंप के पहले कार्यकाल के बाद राष्ट्रपति बने जो बाइडेन ने पाकिस्तान को पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया था और किसी भी प्रधानमंत्री से फोन पर बात तक नहीं की थी।

उद्घाटन

तेलंगाना के परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर, पंचायत राज एवं ग्रामीण विकास, ग्रामीण जल आपूर्ति, महिला एवं बाल कल्याण मंत्री दानसारी अनसूया (सीथक्का) और जीएचएमसी की महापौर गडवाल विजयलक्ष्मी बुधवार को हैदराबाद के एनबीटी नगर बंजारा हिल्स में महिला भवन का उद्घाटन करते हुए।

श्रीराम फाइनेंस का तमिलनाडु में एमएसएमई पोर्टफोलियो 10,700 करोड़ रुपये पर पहुंचा

चेन्नई। श्रीराम फाइनेंस लिमिटेड ने तमिलनाडु भर में सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्यमों के लिए ऋण पहुंच को मज़बूत किया है। एक शीर्ष अधिकारी ने बताया कि जून, 2025 तक कंपनी का एमएसएमई वित्तपोषण पोर्टफोलियो 10,700 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। एमएसएमई वित्तपोषण बाजार में यह वृद्धि बढ़ती उद्यमशीलता गतिविधियों, ऋण तक पहुंच में वृद्धि और दूसरे और तीसरी श्रेणी के शहरों में सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्यमों के विस्तार के कारण हुई है। बुधवार को कंपनी के बयान में कहा कि तमिलनाडु में उसका एमएसएमई वित्तपोषण पोर्टफोलियो जून, 2025 तक 10,700 करोड़ रुपये को पार कर गया, जबकि वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही तक एमएसएमई खंड की अखिल भारतीय स्तर पर प्रबंधन के तहत परिसंपत्तियां (एयूएम) 38,824.26 करोड़ रुपये थीं।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com